आश्विन शुक्ल - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 61 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 23-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जीएसटी दरों में कमी से लोगों में खुशी की लहर : वैष्णव

6 अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत को तलाशने होंगे नए अवसर

7 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड': अभिनेता रणबीर कपूर के खिलाफ दर्ज होगा केस

फर्स्ट टेक

कर्नाटक : जैन मंदिरों के मुनियों को छह हजार रुपए वेतन मिलेगा

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने राज्य के जैन मंदिरों के मुख्य मुनियों और सहायक मुनियों के लिए वेतन निर्धारित किया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान के कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया कि राज्य के 1,043 जैन मंदिरों के मुख्य मुनियों को छह हजार रुपये, जबकि सहायक मुनियों को पांच हजार रुपये वेतन मिलेगा। इस निर्णय की घोषणा राज्य के बजट में की गई थी। बयान में कहा गया है कि वेतन के लिए अब तक विभिन्न जिलों से आए सभी 1,043 प्रस्ताव को मंत्री जमीर अहमद खान ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही मंत्री ने बेंगलूरु के गांधी नगर स्थित महाबोधि सोसाइटी के विकास के लिए एक करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया है।

अफगान किशोर विमान के 'लैंडिंग गियर' कक्ष में छिपकर दिल्ली पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान का एक किशोर काबुल से उड़ान भरने वाले एक विमान के 'लैंडिंग गियर' कक्ष में छिपकर दिल्ली पहुंच गया। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे की है, जब केएएम एयरलाइंस की उड़ान संख्या आरक्यू-4401 दो घंटे की यात्रा के बाद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंची। सूत्रों ने बताया कि लड़के को रविवार को ही उसी उड़ान से अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि एयरलाइन अधिकारियों ने हवाई अड्डे के सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को 13 वर्षीय एक लड़के के बारे में सूचना दी, जो विमान के उतरने के बाद उसके पास घूमता हुआ पाया गया।

अंडमान के बैरन द्वीप में मामूली ज्वालामुखी विस्फोट

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बैरन द्वीप पर आठ दिन के भीतर दो बार मामूली ज्वालामुखी विस्फोट हुए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बैरन द्वीप भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है। अधिकारियों ने बताया कि ज्वालामुखी विस्फोट 13 और 20 सितंबर को हुए हालांकि ये मामूली थे। यह द्वीप पोर्ट ब्लेयर से समुद्र मार्ग से लगभग 140 किलोमीटर दूर है। बैरन द्वीप का कुल क्षेत्रफल 8.34 वर्ग किलोमीटर है अंडमान और निकोबार प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, बैरन द्वीप पर पहला विस्फोट 1787 में हुआ था इसके बाद 1991, 2005, 2017 और 2022 में हल्के विस्फोट हुए।

22-09-2025 सूर्यास्त 6:04 बजे | 23-09-2025 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
82,159.97	25,202.35
(-466.26)	(-124.70)

सोना	चांदी
11,525 रु.	144,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बिफरा ट्रम्प

हो जाओ सारे सावधान,
डोनाल्ड ट्रम्प की बानी से।
कैसे बच पाएगा भारत,
इस चक्रवात तूफानी से।
घबराना मत हरगिज़ कोई
अमरीका की मनमानी से।
तन मन धन से सब मिल जायें,
लड़ लेंगे फिर आसानी से।।

जीएसटी सुधारों से समाज के हर वर्ग को सीधे फायदा होगा : मोदी

- 2047 तक विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलना जरूरी है।
- इन सुधारों से बचत को बढ़ावा मिलेगा और समाज के हर वर्ग-- किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग-- को सीधे फायदा होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बचत को बढ़ावा मिलेगा और समाज के हर वर्ग को सीधे फायदा होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 2047 तक विकसित भारत के सामूहिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलना जरूरी है। देशवासियों के नाम 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक खुले पत्र में, उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से अगली पीढ़ी के जीएसटी (माल एवं सेवा कर) सुधार लागू होने के साथ पूरे देश में ''जीएसटी बचत उत्सव'' की शुरुआत हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस वर्ष त्योहारों पर हमें एक और उपहार मिल रहा है। इन सुधारों से बचत को बढ़ावा मिलेगा और समाज के हर वर्ग-- किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग-- को सीधे फायदा होगा। वे अधिक विकास और निवेश को प्रोत्साहित करेंगे तथा प्रत्येक राज्य और क्षेत्र की प्रगति में तेजी लाएंगे। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें मुख्य रूप से पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो श्रेणी (स्लैब) हैं।

मोदी ने पत्र में कहा, खाद्य पदार्थ, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट जैसी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं, बीमा तथा कई अन्य वस्तुएं अब या तो कर-मुक्त होंगी या सबसे कम पांच प्रतिशत कर स्लैब में होंगी। जिन वस्तुओं पर पहले 12 प्रतिशत कर लगता था, वे लगभग पूरी तरह से पांच प्रतिशत कर के दायरे में लाई गई हैं। यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि विभिन्न दुकानदार और व्यापारी पहले के और अब के बोर्ड लगा रहे हैं, जो सुधारों से पहले और सुधारों के बाद के करों को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और देश में एक आकांक्षी नव मध्यम वर्ग तैयार हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने आयकर में भारी कटौती कर हमारे मध्यम वर्ग को भी मजबूत किया है। अब बारह लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लिया जा रहा है। अगर हम आयकर में कटौती और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को जोड़ दें तो इससे लोगों को लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी। उन्होंने पत्र में लोगों से कहा, आपके घरेलू खर्च कम हो जाएंगे और मकान बनाना, गाड़ी खरीदना, उपकरण खरीदना, बाहर खाना खाना या परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जैसी आकांक्षाएं पूरी करना आसान हो जाएगा।

हिंदू समाज को बांटने की कोशिश कर रही कांग्रेस सरकार : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक में सोमवार से शुरू हो रहे सामाजिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्दारामय्या पर हिंदू समाज को विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया। सामाजिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण को 'जाति जनगणना' नाम से जाना जाता है। उन्होंने जाति जनगणना को राज्य सरकार की 'दुस्साहस' करार दिया और कहा कि सिद्दारामय्या सरकार के पास ऐसा सर्वेक्षण करने का कोई अधिकार नहीं है। विजयेंद्र ने कहा, जाति जनगणना का मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया है। मुख्यमंत्री, जिन्हें राज्य के विकास के बारे में सोचना चाहिए, वह हिंदू समाज को विभाजित करने के प्रयासों में शामिल हो रहे हैं। यह राज्य के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, लोग इस पर चर्चा कर रहे हैं। लोग और समाज अब जागरूक हो गए हैं, लेकिन हिंदू समाज को और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है। राज्य सरकार का यह दुस्साहस है । उनके पास जाति जनगणना कराने का कोई अधिकार नहीं है, निंदनीय! देखते हैं अदालत में क्या होता है। सात अक्टूबर तक चलने वाले कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के इस सर्वेक्षण में 1.75 लाख गणनाकर्ता शामिल होंगे, जिनमें ज्यादातर सरकारी स्कूल के शिक्षक होंगे। राज्य भर के लगभग दो करोड़ घरों के लगभग सात करोड़ लोगों की जनगणना होगी। अधिकारियों के अनुसार, 420 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला यह सर्वेक्षण 'वैज्ञानिक रूप से' किया जाएगा, जिसके लिए 60 प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार की गई है।

नक्सलियों के खिलाफ बड़ी जीत, दो शीर्ष नेता मारे गए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर नक्सलियों के दो शीर्ष नेताओं को मार गिराकर उनके खिलाफ एक बड़ी जीत हासिल की है।

शाह के अनुसार, सुरक्षा बलों ने नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्यों - कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कादरी सत्यनारायण रेड्डी को मार गिराया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, हमारे सुरक्षा बल व्यवस्थित तरीके से नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व का सफाया कर रहे हैं और 'लाल आतंक' की रीढ़ तोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, महाराष्ट्र से सटे अबूझमाड़ के एक जंगल में सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हुई, जब सुरक्षा बलों की एक टीम तलाशी अभियान पर निकली थी। उन्होंने बताया कि इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने कहा, अब तक मौके से दो पुरुष नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक एके-47 राइफल, अन्य हथियार, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, माओवादी साहित्य, प्रचार सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद की गईं।

इस ताजा कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 249 नक्सली मारे जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर को छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में हुई मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य मॉडम बालकृष्ण सहित दस नक्सली मारे गए थे।

भारत और मोरक्को ने रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के उनके समकक्ष आब्देलतीफ लौदियी के बीच वार्ता के बाद, दोनों देशों ने सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए सोमवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। सिंह वर्तमान में मोरक्को की यात्रा पर हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मोरक्को के रक्षा मंत्री आब्देलतीफ लौदियी के साथ एक बहुत ही उपयोगी बैठक हुई और हमने रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बताया कि यह समझौता ज्ञापन आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और औद्योगिक संबंधों सहित द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को विस्तारित और गहन बनाने के लिए एक संस्थागत ढांचा प्रदान करेगा। सिंह ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में मोरक्को के साथ भारत के संबंध उल्लेखनीय रूप से बढ़ रहे हैं।

अब छंट गया है बादल, अग्निपरीक्षा में खरे उतरे हम : गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा है कि बाजार नियामक सेबी की जांच में सभी आरोप खारिज होने के बाद अब उनका समूह नवोन्मेषण को तेज करने, पारदर्शिता बढ़ाने और दीर्घकालिक प्रभाव वाली परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। अदाणी ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों से मुक्त होने के बाद कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक संदेश में कहा, आज वह बादल छंट गया है जो दो साल से हमारे ऊपर मंडरा रहा था। सेबी की व्यापक जांच ने जनवरी, 2023 में आई रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है।

अब बंद हो चुकी अमेरिकी निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी, 2023 में अदाणी समूह पर खातों में गड़बड़ी, शेयर कीमतों में हेराफेरी और गैर-पारदर्शी विदेशी संस्थाओं के उपयोग का आरोप लगा था। इससे समूह के शेयरों में जबर्दस्त गिरावट आई थी और समूह की कंपनियों के सामूहिक बाजार पूंजीकरण में करीब 150 अरब डॉलर तक की गिरावट आई थी। हालांकि, समूह ने शुरू से ही आरोपों को नकार दिया था।

समूह के चेयरमैन अदाणी ने इसे 'लक्षित एवं बहुआयामी हमला' बताने के साथ वैश्विक समीक्षा के दौर में अपने कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि इस दौर में भी समूह के बंदरगाह, बिजली संयंत्र, हवाई अड्डे, सीमेंट और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं आगे बढ़ती रहीं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी:

ईडी ने दुबई में करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'फेयरप्ले' मंच से जुड़े ऑनलाइन सट्टेबाजी और प्रसारण मामले में धन शोधन निवारण कानून के तहत दुबई में कुल 307 करोड़ रुपये की जमीन, विला और फ्लैट कुर्क किए तथा भारत में बैंक जमा राशि जब्त की। ईडी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन का यह मामला मुंबई पुलिस की साइबर शाखा की ओर से दर्ज की गई एक प्राथमिकी से उपजा है। यह शिकायत वायकॉम18 मीडिया की ओर से 'फेयरप्ले' और अन्य के खिलाफ भेजे गए पत्र के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और कॉपीराइट अधिनियम के उल्लंघन के कारण कंपनी को 100 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व का नुकसान होने का आरोप लगाया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी नामुमकिन को मुमकिन बनाते हैं : राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नामुमकिन को मुमकिन बना सकते हैं। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित दुनिया के तमाम नेताओं के साथ मोदी के संबंधों पर प्रकाश डाला। इन नेताओं ने प्रधानमंत्री को अपना मित्र बताया है।

मोदी के भाषणों पर आधारित दो पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने भले ही भारतीय वस्तुओं के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, लेकिन ट्रंप ने मोदी को हमेशा अपना अच्छा दोस्त बताया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मतभेदों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति के भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छे संबंध हैं।

उपराष्ट्रपति पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, अमेरिका ने भारत पर भले ही 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, लेकिन ट्रंप हमेशा कहते हैं कि मोदी जी मेरे अच्छे दोस्त हैं। ऐसी स्थिति में भी उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मैं मोदी के खिलाफ हूं। वह हमेशा कहते हैं कि मैं मोदी के साथ हूं।

राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री रूस के राष्ट्रपति पुतिन के भी बेहद अच्छे मित्र हैं। उन्होंने कहा, ...साथ ही, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मतभेदों के बावजूद, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी मोदी जी के अच्छे मित्र हैं।

परमाणु हथियार सीमा का और एक साल पालन करेगा रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ अंतिम बचे परमाणु समझौते की फरवरी में समाप्ति के बाद, मास्को और एक वर्ष तक परमाणु हथियार सीमा का पालन करेगा। पुतिन ने कहा कि 2010 की 'न्यू स्टार्ट' संधि के समाप्त होने के वैश्विक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे और परमाणु शस्त्रों के प्रसार को हवा मिल सकती है। उन्होंने टेलीविजन पर एक संदेश में कहा, आगे रणनीतिक हथियारों की दौड़ को भड़काने से बचने और पूर्वानुमान और संयम के स्वीकार्य स्तर को सुनिश्चित करने के लिए, हमारा मानना है कि वर्तमान, बल्कि अशांत अवधि के दौरान नई स्टार्ट संधि द्वारा स्थापित यथास्थिति को बनाए रखने का प्रयास करना उचित है। उन्होंने कहा, इसलिए रूस 5 फरवरी, 2026 के बाद न्यू स्टार्ट संधि की केंद्रीय मात्रात्मक सीमाओं का एक और साल तक पालन करने के लिए तैयार है।

पुतिन ने कहा, परिस्थिति के हमारे विश्लेषण के आधार पर हम इस स्वैच्छिक आत्मसंयम को बनाये रखने पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि रूस इस बात की उम्मीद करता है कि अमेरिका भी उसके उदाहरण का अनुसरण करेगा और संधि की सीमाओं का पालन करेगा। रूस के राष्ट्रपति ने कहा, हमारा मानना है कि यह उपाय तभी व्यवहार्य होगा जब अमेरिका भी इसी तरह कार्य करेगा और ऐसे कदम नहीं उठाएगा जो निवारक क्षमता के मौजूदा संतुलन को कमजोर या बाधित करें। पुतिन ने रूसी एजेंसियों को निर्देश दिया कि ''संबंधित अमेरिकी गतिविधियों पर करीबी नजर रखी जाए और खासतौर पर रणनीतिक हमले वाले हथियारों के संबंध में निगरानी रखी जाए।

भारत को एस-400 मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति रूस 2026 तक पूरी कर देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। भारत के साथ 2018 में हस्ताक्षरित 5.43 अरब डॉलर के सौदे के तहत रूस अगले साल एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति पूरी कर देगा। सोमवार को मीडिया की एक खबर से यह जानकारी मिली।

सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' ने एक रक्षा सूत्र के हवाले से बताया, रूस 2026 में भारत को पांच एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति का अनुबंध पूरा करेगा। इनमें से चार प्रणालियों की अभी तक आपूर्ति की जा चुकी हैं और पांचवीं अगले साल आपूर्ति की जाएगी।

पूर्व की खबरों के अनुसार, अमेरिकी प्रतिबंधों के खतरे को नजरअंदाज करते हुए 5.43 अरब अमेरिकी डॉलर (40,000 करोड़ रुपए) के इस सौदे पर औपचारिक रूप से 5 अक्टूबर, 2018 को हस्ताक्षर किए गए थे। मार्च 2021 में, तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भारत द्वारा रूस से एस-400 वायु मिसाइल प्रणाली की योजनाबद्ध खरीद पर चर्चा की और चेतावनी दी थी कि एस-400 की खरीद से प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए उथप्पा

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा आनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन (मनी लाउंड्रिंग) के मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। उथप्पा करीब 11 बजे एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। ईडी एक प्लेटफॉर्म 'वनदबेट' धन शोधन रोधक अधिनियम के तहत उनसे पूछताछ करके उनके बयान रिकॉर्ड करेगा। इससे पहले एजेंसी क्रिकेटर सुरेश रैना, शिखर धवन, अभिनेत्री और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमि चक्रवर्ती और बंगाली अभिनेता अंकुश हाजरा से पूछताछ कर चुका है। ईडी ने इसी मामले में पूछताछ के लिए पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और अभिनेता सोनू सूद को भी मंगलवार और बुधवार को बुलाया है।

अमेरिका परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग छोड़े : उत्तर कोरियाई नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा कि उनके जेहन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पूर्व में की गई मुलाकातों की अच्छी यादें अब भी ताजा हैं। किम ने साथ ही, लंबे समय से रुकी हुई राजनयिक स्तर की वार्ता बहाल करने के लिए पूर्व शर्त के रूप में उत्तर कोरिया से परमाणु हथियार बनाना बंद करने संबंधी मांग छोड़ने की अपील की।

रविवार को उत्तर कोरिया की संसद को संबोधित करते हुए किम ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिद्वंद्वी देश दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत शुरू करने का उनका कोई इरादा नहीं है। दक्षिण कोरिया अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है, जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप के साथ किम की शिखर बैठकों में मध्यस्थता करने में मदद की थी।

किम की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यूंग संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क रवाना होने वाले हैं। उम्मीद है कि वह कोरियाई प्रायद्वीप में परमाणु तनाव पर और वार्ता की मेज पर उत्तर कोरिया के लौटने के संबंध में बात कर सकते हैं।

ट्रंप के अगले महीने एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया जाने की भी उम्मीद है, जिससे मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह अंतर-कोरियाई सीमा पर किम से मिलने की कोशिश कर सकते हैं, जैसा कि उन्होंने 2019 में अपनी तीसरी बैठक के दौरान किया था।

इंदौर ने मनाया 'नो कार डे, पेट्रो ईंधनों की खपत में 80,000 लीटर की कटौती का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। सड़कों पर वाहनों की बड़ी तादाद के कारण यातायात की बाधाओं और वायु प्रदूषण चुनौतियों से जूझ रहे देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में सोमवार को 'नो कार डे' मनाया गया। स्थानीय प्रशासन ने दावा किया कि उसकी अपील पर लोगों ने शहर में आम दिनों के मुकाबले कारों का कम इस्तेमाल किया जिससे पेट्रोलियम ईंधनों की दैनिक खपत में करीब 80,000 लीटर की कटौती हुई और पर्यावरण को इसका फायदा मिला।'नो कार डे' पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और पुलिस के कुछ अधिकारी साइकिल चलाते नजर आए, जबकि प्रशासन के कुछ आला अफसर बिजली से चलने वाले दोपहिया वाहनों के जरिये अपने कार्यालय पहुंचे।

महापौर भार्गव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नगर निगम ने स्थानीय निवासियों से अपील की थी कि वे 'नो कार डे' पर कार के बजाय साइकिल, ई-रिक्शा और लोक परिवहन साधनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें।

भार्गव के मुताबिक मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के कुछ न्यायाधीशों ने भी अदालत आने-जाने के लिए कार के बजाय दूसरे साधनों का इस्तेमाल किया।

विजयादशमी से आरएसएस के शताब्दी वर्ष की होगी शुरुआत, नागपुर में भागवत करेंगे संबोधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष समारोहों की शुरुआत आगामी दो अक्टूबर को विजयादशमी के कार्यक्रम के साथ होगी जिसे संघ प्रमुख मोहन भागवत संबोधित करेंगे और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि होंगे।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने सोमवार को यहां रेशमबाग में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम 2026 में विजयादशमी तक आयोजित किए जाएंगे।

आंबेकर ने कहा, 2 अक्टूबर को विजयादशमी कार्यक्रम में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि होंगे और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत दुनिया भर के स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। बजाज फिनसर्व के अध्यक्ष संजीव बजाज, डेक्कन इंडस्ट्रीज के केवी कार्तिक और लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कालिता कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित हैं। उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर के कार्यक्रम में घाना, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड, इंडोनेशिया, ब्रिटेन और अमेरिका के अतिथि भी शामिल होंगे, जिसे विदेशी मीडिया द्वारा कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश भर में आयोजित होने वाले शताब्दी वर्ष समारोहों के लिए आरएसएस स्वयंसेवकों में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि सरसंघचालक

भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबाले शताब्दी वर्ष के दौरान देश में संघ के अनुसार चिह्नित सभी प्रांतों का दौरा करेंगे।

आंबेकर ने बताया कि अगस्त में दिल्ली में आयोजित आरएसएस प्रमुख भागवत के तीन दिवसीय 'संवाद' कार्यक्रम की तर्ज पर बेंगलूरु, कोलकाता और मुंबई में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस वर्ष 7-8 नवंबर को बेंगलूरु में, 21 दिसंबर को कोलकाता में और 6 व 7 फरवरी को मुंबई में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख ने यह जानकारी दी।

आंबेकर ने बताया कि प्रसिद्ध गायक-संगीतकार शंकर महादेवन 28 सितंबर को नागपुर में एक कार्यक्रम में 'संघ गीत' प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में 'व्यक्ति निर्माण' के उद्देश्य से आरएसएस की स्थापना की थी।

आंबेकर ने कहा, आरएसएस की 83,000 से ज़्यादा दैनिक शाखाएं और 32,000 साप्ताहिक शाखाएं हैं। शताब्दी वर्ष के दौरान, आरएसएस 'गृह संपर्क' अभियान के माध्यम से देश भर के नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें अपनी विचारधारा और कार्यों से अवगत कराएगा। इसी तरह, देश भर में एक लाख से ज़्यादा जगहों पर 'हिंदू सम्मेलन' भी आयोजित किए जाएंगे।

भारत की 100 साल की यात्रा और अगले 100 वर्षों के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि वह एक गौरवशाली देश देखते हैं जिसके नागरिक खुश हैं और जो वैश्विक ज़िम्मेदारी ले रहा है।

रेखा गुप्ता ने त्रिनगर में व्यापारियों से की मुलाकात, जीएसटी सुधारों को मोदी का 'दिवाली उपहार' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्रिनगर स्थित तोताराम बाजार का दौरा किया और सोमवार से लागू हुए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के संबंध में व्यापारियों से बातचीत की। चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल के साथ आईं गुप्ता का दुकानदारों ने 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाकर और मिठाई एवं गुलाब देकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कई दुकानों का दौरा किया और व्यापारियों से बातचीत की तथा उन्हें स्वदेशी सामान बेचने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को तोहफ़ा दिया है। व्यापारियों के लिए दिवाली जल्दी आ गई है। लोगों को देश के विकास के लिए स्वदेशी सामान खरीदना चाहिए। इस दौरान गुप्ता पर फूल बरसाए गए।

केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए 22 सितंबर, यानी नवरात्रि के पहले दिन से लगभग 375 वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दरें कम करने का फैसला किया।

कई आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी की दर घटाकर पांच प्रतिशत या शून्य कर दी गई है। जीवन रक्षक दवाएं अब कर-मुक्त हैं, जबकि अन्य दवाओं पर केवल पांच प्रतिशत कर लगेगा। किसानों के लिए भी जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत या शून्य कर दिया गया है। जिन शैक्षणिक सामग्रियों पर पहले 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था, उन्हें भी छूट दी गई है।

पराली जलाने पर रोक के लिए किसानों में जागरूकता पैदा करेंगे, मशीनरी देंगे : मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में पराली जलाने की घटनाओं पर रोक के लिए किसानों के लिए जागरूकता शिविर आयोजित कर रही है और उन्हें पराली प्रबंधन (सीआरएम) मशीनरी भी दे रही है।

अक्टूबर और नवंबर में धान की फसल की कटाई के बाद दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने के लिए अक्सर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया जाता है। चूंकि धान की कटाई के बाद रबी की फसल – गेहूं – के लिए समय बहुत कम होता है, इसलिए कुछ किसान अगली फसल की बुवाई के लिए पराली को शीघ्रता से साफ करने के लिए अपने खेतों में आग लगा देते हैं। पराली जलाने पर एक सवाल के जवाब में मान ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के प्रयास करेगी। गुरु नानक देव की शिक्षाओं का हवाला देते हुए मान ने कहा कि सरकार किसानों को पराली जलाने की घटनाओं के खिलाफ जागरूक कर रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि प्रेरणा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और उन्हें सीआरएम मशीनरी दी जाएगी। इस सवाल पर कि गत सत्रह सितंबर को उच्चतम न्यायालय ने पंजाब सरकार से पूछा था कि पराली जलाने में शामिल कुछ किसानों को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जाना चाहिए, मान ने कहा कि सभी को शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करना होगा। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जतायी कि ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो जिसमें 'अन्नदाता' को पुलिस थाने ले जाना पड़े और प्राथमिकी दर्ज करनी पड़े।

'जीएसटी बचत उत्सव' से हर घर में त्योहारों जैसी रौनक आई : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जीएसटी की दरें कम होने पर अखबारों में विस्तार से प्रकाशित सुर्खियों का उल्लेख किया और कहा कि 'जीएसटी बचत उत्सव' से हर घर में त्योहारों जैसी रौनक आई है।

मोदी ने देश के प्रमुख हिंदी और अंग्रेजी अखबारों के पहले पन्ने की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, बाजार से घरों तक जीएसटी बचत उत्सव त्योहारों की रौनक लेकर आया है। इससे कीमतें कम होंगी और हर घर में मुस्कान आएगी। प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के पहले दिन जीएसटी की नई दरें लागू होने की पूर्व संध्या पर रविवार को देश को संबोधित किया था।

अरुणाचल प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान व्यापारियों के साथ बातचीत का एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह इस बात का स्पष्ट प्रतिबिंब है कि भारत 'जीएसटी बचत उत्सव' को लेकर इतना आशावादी क्यों है। उन्होंने ईटानगर में इंदिरा गांधी पार्क में एक रैली में कहा, आज, देश भर में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं और जीएसटी 'बचत उत्सव' शुरू हो गया है। त्योहारों के मौसम में लोगों को दोहरा लाभ मिला है। मोदी ने कहा, जीएसटी सुधार रसोई के बजट को कम करके महिलाओं की मदद करेंगे।

सरकार को बदनाम करने की साजिश रचने वाले नकल माफिया को बख्शा नहीं जाएगा : धामी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा में कथित तौर पर एक प्रश्नपत्र के तीन पन्ने लीक होने को सरकार को बदनाम करने का षडयंत्र बताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार के सख्त नकल विरोधी कानून से परेशान लोग सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, रविवार को भी फिर ऐसा प्रयास किया गया जबकि यह पेपर लीक जैसा मामला नहीं है। धामी ने कहा कि कुछ नकल माफिया और कोचिंग माफिया सरकार को बदनाम करने का षडयंत्र रच रहे हैं और इसका जल्द खुलासा होगा। नकल माफिया को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। चार जुलाई 2021 को जब उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में काम काज संभाला तो उस समय विभिन्न विभागों में करीब 22 हजार पद रिक्त थे लेकिन सरकार के प्रयासों से 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। इसमें एक भी परीक्षा में नकल का मामला सामने नहीं आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रकिया में बाधा न पहुंचे, इसके लिए सरकार सख्त नकल विरोधी कानून लेकर आई लेकिन इससे परेशान कुछ लोग सरकार को बदनाम करने का प्रयास करने लगे। आयोग द्वारा रविवार को विभिन्न विभागों के लिए आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा के प्रश्नपत्र के तीन पन्नों की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने कहा कि प्रारंभिक जांच में इस प्रकरण में किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता नहीं पायी गई है।

तिरुपति प्रसादम विवाद: सीबीआई निदेशक की याचिका पर सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय 26 सितंबर को एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कहा गया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में प्रसादम बनाने में 'मिलावटी घी' के इस्तेमाल से जुड़े मामले की जांच करते समय न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन किया है।

सीबीआई निदेशक की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश बी.आर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ से अनुरोध किया कि इस याचिका पर 29 सितंबर के बजाय 26 सितंबर को सुनवाई की जाए। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, इसमें कितना समय लगेगा? क्योंकि 26 सितंबर को कई मामलों पर सुनवाई होनी है। मेहता ने पुन: अनुरोध करते हुए कहा कि इस याचिका की सुनवाई में पांच मिनट से अधिक समय नहीं लगेगा। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ठीक है...इसे शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करते हैं। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद यह विवाद उपजा है, जिसमें अदालत ने कहा था कि सीबीआई निदेशक ने न्यायालय के निर्देशों के विपरीत कार्य किया, क्योंकि उन्होंने जे. वेंकट राव नामक अधिकारी को इस मामले की जांच करने की अनुमति दी, जबकि वह विशेष जांच दल के औपचारिक सदस्य नहीं थे। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के 2024 के निर्देश का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने (न्यायालय) एक स्वतंत्र विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया था, जिसमें सीबीआई निदेशक द्वारा नामित दो सीबीआई अधिकारियों, राज्य सरकार द्वारा नामित आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारियों और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी को शामिल किया जाना था। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि वेंकट राव को विशेष रूप से विशेष जांच दल (एसआईटी) में राज्य के प्रतिनिधि के रूप में नामित नहीं किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि इसलिए वेंकट राव इस मामले में जांच का अधिकार नहीं रखते।

सरकार का 2028-29 से 13 गीगावाट पनबिजली पंप भंडारण परियोजना जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरपर्सन घनश्याम प्रसाद ने सोमवार को कहा कि सरकार 2032 तक 50 गीगावाट हाइड्रो पंप भंडारण क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के लिए सालाना 13 गीगावाट क्षमता जोड़ने की योजना बना रही है। यह वर्तमान स्तर से चार गुना अधिक है।

प्रसाद ने राष्ट्रीय राजधानी में 'ऊर्जा भंडारण पर सम्मेलन... स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को गति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जल विद्युत पंप भंडारण ने अब एक बड़ी छलांग लगाई है और इस वर्ष से, हर वर्ष औसतन लगभग तीन गीगावाट हाइड्रो पंप भंडारण क्षमता (पीएसपी) जुड़ेगी। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ...(वित्त वर्ष) 2028-29 से आप इसे दहाई अंक में भी बढ़ते हुए पाएंगे। लगभग 10 गीगावाट से 13 गीगावाट (क्षमता) हर साल जुड़ती जाएगी। प्रसाद ने कहा कि 2032 तक, लक्ष्य लगभग 50 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) क्षमता हाइड्रो पंप स्टोरेज से प्राप्त करना है।

घट रहा है अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात : जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

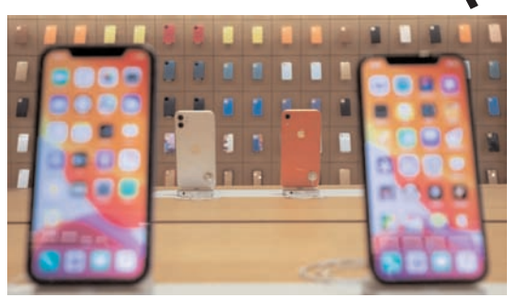

नई दिल्ली/भाषा। देश का अपने सबसे बड़े बाजार अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात मई के 2.29 अरब डॉलर से 58 प्रतिशत घटकर अगस्त में 96.48 करोड़ डॉलर रह गया।

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि यह घटनाक्रम चिंताजनक और विरोधाभासी है क्योंकि स्मार्टफोन पर कोई शुल्क नहीं है। स्मार्टफोन के मामले अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा बाजार है। जीटीआरआई ने कहा, इस गिरावट के असली कारणों का तत्काल पता लगाने की जरूरत है। स्मार्टफोन निर्यात मई, 2025 के 2.29 अरब डॉलर से 58 प्रतिशत घटकर अगस्त में 96.48 करोड़ डॉलर रह गया। यह गिरावट मासिक आधार पर स्थिर रही। जून में यह दो अरब डॉलर और जुलाई में 1.52 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका 10.6 अरब डॉलर के आयात (भारत के 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर के वैश्विक निर्यात का 44 प्रतिशत) के साथ भारत का शीर्ष स्मार्टफोन बाजार बना रहा। इसके बाद यूरोपीय संघ 7.1 अरब डॉलर (29.5 प्रतिशत) के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसमें कहा गया कि शुल्क मुक्त उत्पाद की देश के अगस्त निर्यात में 28.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। इसमें 41.9 प्रतिशत की तीव्र गिरावट दर्ज की गई जो मई के 3.37 अरब डॉलर से घटकर अगस्त में 1.96 अरब डॉलर रह गई।

जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पर पूरी तरह से हट गया जीएसटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू होने के साथ सोमवार से जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर लगने वाला 18 प्रतिशत जीएसटी पूरी तरह से हट गया है।

जीएसटी व्यवस्था जुलाई, 2017 से लागू होने के बाद से ही स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर 18 प्रतिशत की दर से कर लगाया जा रहा था। लेकिन जीएसटी परिषद की सितंबर की शुरुआत में हुई बैठक में इसे हटाने का फैसला किया गया था जो 22 सितंबर से लागू हो गया है। व्यक्तिगत जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा के पॉलिसीधारक इस छूट से प्रीमियम में सीधे 18 प्रतिशत की बचत कर सकते हैं। सभी तरह की व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसमें फेमिली फ्लोटर एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए पॉलिसी के साथ पुनर्बीमा भी शामिल हैं। इसी तरह सभी व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसीह्वाहे वह टर्म लाइफ, यूलिप या एंडोमेंट पॉलिसी हों, और उनके पुनर्बीमा को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। जीएसटी परिषद के निर्णय के बाद जीवन और स्वास्थ्य बीमा की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने भी जीएसटी छूट की घोषणा की है। इनमें दिग्गज कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) भी शामिल है। वित्त वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य और जीवन बीमा से सरकार को कुल 16,398 करोड़ रुपए का जीएसटी राजस्व मिला था। इसमें जीवन बीमा से 8,135 करोड़ और स्वास्थ्य बीमा से 8,263 करोड़ रुपए शामिल हैं।

पंजाब: सीमा पार अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल तीन लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब की अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए एक अभियान में संगठित हथियार एवं हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि दस अत्याधुनिक हथियार और 2.5 लाख रुपए की हवाला राशि बरामद की गई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी राज्य में शांति व सद्भाव को बिगाड़ने के इरादे से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे। अमृतसर के गेट हकीमा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने बताया कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने और सीमा पार संबंधों की पहचान के लिए मामले की जांच जारी है।

देश भर में कश्मीर से 1.3 लाख मीट्रिक टन से अधिक ताजे फल भेजे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पिछले 10 दिनों में कश्मीर घाटी से देश भर के बाजारों में 1.3 लाख मीट्रिक टन से अधिक ताजा फलों का परिवहन किया गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कश्मीर संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि हर दिन ताजे फल और अन्य सामग्री से लदे 1500-2000 ट्रक घाटी में आते हैं और इन्हें वैकल्पिक दिनों में राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड से भेजा जाता है। गर्ग ने बताया, पिछले 10 दिनों में 1.37 लाख मीट्रिक टन फल घाटी से श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग, मुगल रोड और पार्सल ट्रेन के जरिए भेजे गए हैं। गर्ग ने बताया कि मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन, बीआरओ, यातायात और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणों के साथ समन्वय करके ताजे फलों और आवश्यक आपूर्ति के परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए हाल ही में एक एसओपी तैयार किया है। उन्होंने कहा, यदि किसी दिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक श्रीनगर से जम्मू की ओर है, तो उसी दिन मुगल रोड के जरिए जम्मू से श्रीनगर की ओर माल भेजा जाता है। अगले दिन यह पैटर्न उल्टा हो जाता है ताकि जम्मू से घाटी तक आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही हो सके।

हाल ही में खराब मौसम और भूस्खलन के कारण लंबी अवधि तक बंद रहने वाले राजमार्ग की स्थिति का जिक्र करते हुए गर्ग ने कहा कि इसके पुनरुद्धार का कार्य तेज गति से जारी है।

उन्होंने कहा कि रविवार को ताजे फलों को घाटी से लाने के लिए मुगल रोड से 1,800 से 1,900 ट्रक जम्मू की ओर गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

नाम परिवर्तन

मैं राजलक्ष्मी राघवन धर्मपत्नी श्री राघवन के.के., नं. 717 ए., श्रुति, पांचवा क्रॉस, सैयद ब्लॉक, अन्नसंद्रा पाल्या, पोस्ट विमानपुरा, बेंगलूरु 560017 कर्नाटक ने अपना नाम राजलक्ष्मी टी.वी. से बदलकर राजलक्ष्मी राघवन कर लिया है। भविष्य में मुझे राजलक्ष्मी राघवन के नाम से जाना एवं पहचाना जाए। मैंने यह घोषणा शपथ दिनांक 20/09/2025 द्वारा चतुर्थ अतिरिक्त मुख्य न्यायालय मजिस्ट्रेट, बेंगलूरु सिटी के समक्ष सत्यापित की है।

सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर कायम, बाजार उधारी अनुमान के अनुसार रहेगी : नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि सरकार अपने 4.4 प्रतिशत राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर कायम रहेगी और चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार उधारी को अनुमानित 6.82 लाख करोड़ रुपए तक सीमित रखेगी। सरकार ने राजस्व अंतर को पूरा करने के लिए 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से आठ लाख करोड़ रुपए उधार लेने की घोषणा की थी। उन्होंने नेटवर्क18 के एक कार्यक्रम में कहा, हमें राजकोषीय घाटा बनाए रखने का भरोसा है और दूसरी छमाही में बाजार उधारी अपरिवर्तित रहेगी।

केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, इस सप्ताह दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के लिए उधारी कैलेंडर की घोषणा कर सकती है। राजकोषीय घाटा यानी सरकार के कुल राजस्व और कुल व्यय के बीच का अंतर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 प्रतिशत था। राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए सरकार बाजार उधारी का सहारा लेती है। 2025-26 के लिए अनुमानित 14.82 लाख करोड़ रुपए के सकल बाजार उधार में से, आठ लाख करोड़ रुपए यानी 54 प्रतिशत, दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से पहली छमाही में उधार लेने की योजना है। इसमें 10,000 करोड़ रुपए के सरकारी हरित बॉन्ड शामिल हैं। निरपेक्ष रूप से, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा 15,68,936 करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया है।

तिरुपति प्रसादम विवाद

सीबीआई निदेशक की याचिका पर सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय 26 सितंबर को एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कहा गया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में प्रसादम बनाने में 'मिलावटी घी' के इस्तेमाल से जुड़े मामले की जांच करते समय न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन किया है।

सीबीआई निदेशक की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश बी.आर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ से अनुरोध किया कि इस याचिका पर 29 सितंबर के बजाय 26 सितंबर को सुनवाई की जाए। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, ''इसमें कितना समय लगेगा? क्योंकि 26 सितंबर को कई मामलों पर सुनवाई होनी है।'' मेहता ने पुन: अनुरोध करते हुए कहा कि इस याचिका की सुनवाई में पांच मिनट से अधिक समय नहीं लगेगा। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''ठीक है...इसे शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करते हैं।'' आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद यह विवाद उपजा है, जिसमें अदालत ने कहा था कि सीबीआई निदेशक ने न्यायालय के निर्देशों के विपरीत कार्य किया, क्योंकि उन्होंने जे. वेंकट राव नामक अधिकारी को इस मामले की जांच करने की अनुमति दी, जबकि वह विशेष जांच दल के औपचारिक सदस्य नहीं थे। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के 2024 के निर्देश का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने (न्यायालय) एक स्वतंत्र विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया था, जिसमें सीबीआई निदेशक द्वारा नामित दो सीबीआई अधिकारियों, राज्य सरकार द्वारा नामित आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारियों और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी को शामिल किया जाना था। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि वेंकट राव को विशेष रूप से विशेष जांच दल (एसआईटी) में राज्य के प्रतिनिधि के रूप में नामित नहीं किया गया था।

उच्च न्यायालय ने कहा कि इसलिए वेंकट राव इस मामले में जांच का अधिकार नहीं रखते। कडुरु चिन्नापन्ना नामक व्यक्ति की ओर से दायर याचिका पर अदालत ने यह आदेश दिया था, जिसमें उन्होंने राव पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

उद्घाटन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, गिंडी में आयोजित मुन्नाला मामलार संगम के शताब्दी समारोह में, उच्च शिक्षा मंत्री, डॉ कोवी चेझियान ने कॉलेज के मुख्य परिसर में नवनिर्मित हॉल ऑफ फ़ेम, मिनी ऑडिटोरियम और अतिथि कक्षों का उद्घाटन किया। समारोह में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, डॉ पी शंकर ई.ए., अन्ना विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ जे प्रकाश, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल, डॉ पी हरिहरन, मुन्नाला छात्र संघ के अध्यक्ष एम विरुपचंद, सचिव जगनागराज, कोषाध्यक्ष एम सरवनन और एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

'रचनात्मक परिवर्तनशील कार्यों का विरोध नहीं सहेगी तमिलनाडु की जनता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने मोदी का जीएसटी विजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे विकास को गति मिलेगी। उन्होंने राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सहित कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा भाजपा के लिए किए जा रहे दुष्प्रचार का विरोध किया। गठबंधन द्वारा जीएसटी के रचनात्मक परिवर्तनकारी प्रभावों का विरोध 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण के प्रति उपेक्षा है। आने वाले समय में राज्य की जनता इसका सही उत्तर देगी।

उन्होंने कहा कि यह ज़रूरी है कि वे विभाजनकारी बयानबाज़ी छोड़ें और मोदी सरकार के नागरिक-हितैषी सुधारों को स्वीकार करें जो जीवन को सरल बनाते हैं, सामर्थ्य बढ़ाते हैं और आकांक्षाओं को सशक्त बनाते हैं, जिससे समावेशी समृद्धि का युग शुरू होता है। उन्होंने कहा कि मोदी का स्वदेशी आह्वान स्वतंत्रता संग्राम की भावना को पुनर्जीवित करता है और नागरिकों से भारत में निर्मित उत्पादों को अपनाने का आग्रह करता है। घरों और दुकानों को स्वदेशी प्रकाश स्तंभ के रूप में देखते हुए, वे स्वदेशी शिल्प कौशल पर गर्व को बढ़ावा देते हैं और भारत को गुणवत्ता के मामले में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करते हैं। जीएसटी बचत उत्सव, एक दिवाली उपहार है जो किसानों, उद्यमियों और सभी नागरिकों के लिए समृद्धि सुनिश्चित करता है। व्यापार को सरल बनाकर और निवेश आकर्षित करके, यह सहकारी संघवाद को मज़बूत करता है और राज्यों को भारत के विकास में समान भागीदार बनाता है। मोदी का नेतृत्व आर्थिक पुनर्जागरण को गति दे रहा है। जीएसटी बचत उत्सव बचत और आत्मनिर्भरता का उत्सव मनाता है और एक विकसित भारत को गति प्रदान करता है। 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, हम इन दूरदर्शी सुधारों के लिए आभार व्यक्त करते हैं, जो स्वदेशी भावना से एकजुट होकर एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं।

ईशा ग्रामोत्सवम का ग्रैंड फिनाले

देश के सभी राज्यों में हो ईशा ग्रामोत्सवम : सद्गुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। हर ग्रामीण खेल केवल उस गाँव का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करता है। यही ईशा ग्रामोत्सव की आत्मा है, जो हमें गाँव से विश्व तक की यात्रा दिखाती है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने ईशा ग्रामोत्सव 2025 के ग्रैंड फिनाले के अवसर पर कहा। भारत के सबसे बड़े ग्रामीण खेल महोत्सव, ईशा ग्रामोत्सवम 2025 का यह ग्रैंड फिनाले रविवार को कोयंबटूर स्थित सुप्रसिद्ध 112-फीट ऊंचे आदियोगी की प्रतिमा के सामने आयोजित हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, मैं ईशा ग्रामोत्सव में यह जानने के लिए आया हूँ कि सद्गुरु ने इतने बड़े पैमाने पर इस आयोजन को कैसे संभव बनाया है, इसके साथ ही उन्होंने ईशा ग्रामोत्सव 2025 के विशाल स्वरूप और उसकी व्यापक पहुँच की सराहना की।

ईशा ग्रामोत्सव के 17वें संस्करण का आयोजन दो महीनों में 183 स्थानों पर हुआ, जिसमें 63,220 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया-इनमें 12,000 से अधिक महिला खिलाड़ियों की रिकॉर्ड भागीदारी भी शामिल रही। पहली बार यह उत्सव ओडिशा तक पहुँचा, साथ ही छह राज्यों-तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना-और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी आयोजित हुआ। कुल मिलाकर 35,000 से अधिक गाँवों की 5,472 टीमों ने भाग लिया, जो इस आयोजन के विशाल पैमाने को दर्शाता है।

ग्रैंड फिनाले में सद्गुरु, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, लोकप्रिय बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल, शतरंज ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू और पैरा ओलंपियन भाविना पटेल मौजूद रहे। जिन्होंने इस महोत्सव को और भी खास बना दिया। ग्रामीण प्रतिभा और उत्साह से प्रभावित होकर, खेल मंत्री ने सद्गुरु से ग्रामीण प्रतिभाओं की पहचान में सहयोग करने का आग्रह किया और ईशा फाउंडेशन के साथ एमओयू तथा साझेदारी करने में अपनी इच्छा भी व्यक्त की। सद्गुरु ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मेरा संकल्प है कि 2028 तक ईशा ग्रामोत्सव देश के सभी 28 राज्यों में होना चाहिए। यह सिर्फ खेल के बारे में नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत में ऊर्जा और उत्साह को फिर से जगाने के बारे में है। खेलों की उत्साहजनक भावना और जीवन में खेलभावना (उल्लास और सहजता) के महत्व को रेखांकित करते हुए, सद्गुरु ने कहा, अगर हमारी आबादी मजबूत, जीवंत, सक्षम और प्रेरित होगी, तो हम इस धरती पर सबसे बड़ा चमत्कार बन सकते हैं। जब जीवन में खेलभावना होगी, तो आप खाली पेट भी खुशी-खुशी काम कर सकते हैं। और अगर आप सफल होना चाहते हैं, तो आपका शरीर और मन अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करने चाहिए।

ग्रामीण खिलाड़ियों के जोश और हौसले से प्रभावित होकर बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने कहा कि यहाँ का माहौल भरे हुए क्रिकेट स्टेडियम जैसा था। उन्होंने खेल मंत्री को बताया कि ईशा ग्रामोत्सव देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण सबक देता है। शतरंज ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने कहा, ईशा ग्रामोत्सव को देखकर सकारात्मक ऊर्जा की लहर महसूस होती है। खेल सिर्फ जीत या हार तक सीमित नहीं हैं - वे हमें बढ़ना सिखाते हैं, जीत और हार को संतुलित मन से स्वीकार करना सिखाते हैं और चुनौतियों में शांत रहना सिखाते हैं।

सम्मेलन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को पांडलम में सबरीमाला कर्म समिति द्वारा आयोजित सबरीमाला संरक्षण संगम में बीजेपी प्रदेश पूर्व अध्यक्ष अनामलाई ने भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को कम्युनिस्टों और उनके द्रमुक सहयोगियों के राजनीतिक ड्रामे के लिए दांव पर नहीं लगाया जा सकता, खासकर चुनाव के समय। सनातन धर्म की रक्षा के लिए अब निर्णायक राजनीतिक बदलाव का समय आ गया है।

वेलाचेरी में दो बसों की टक्कर, चालक समेत 8 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के वेलाचेरी इलाके में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। थंडीश्वरम के पास दो सिटी बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बस चालक समेत आठ लोग घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के कारण वेलाचेरी मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई थी। मौके पर पहुंची यातायात पुलिस और अड्यार ट्रैफिक इन्वेस्टिगेशन ने बसों को हटाकर जाम खुलवाया और यातायात सामान्य किया गया। पुलिस इस हादसे की जांच में जुट गई है।

इससे पहले, तिरुचि-चेन्नई नेशनल हाईवे पर सिरुगनूर के पास 1 सितंबर को एक दर्दनाक हादसा हुआ था। जानकारी के अनुसार कार ने सड़क किनारे खड़ी सरकारी बस में टक्कर मार दी थी। इस हादसे में एक साल की बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान तेनकासी जिले के पुधुपट्टी की 31 वर्षीय एस. यशोधा, उनकी एक साल की बेटी अनुवंजना और कार ड्राइवर विजय बाबू (31) के रूप में हुई थी। कार में सवार दो अन्य लोग - यशोधा के पति एम सेल्वकुमार और एम जोसेफ घायल हुए, लेकिन बच गए।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सिटी बस रूट संख्या वी51 टी नगर-क्लम्पक्कम और एम51 वी (वेलाचेरी-कोलाथुर) के बीच हुई। दोनों बसें विपरीत दिशाओं से आ रही थीं। हादसे में बस चालक अनबझगन (45) और सात यात्री घायल हो गए। घायलों को तुरंत मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल सभी का इलाज जारी है।

विजय की रैलियों में उमड़ी भीड़ पर कमल हासन ने कहा- 'पूरी भीड़ वोट में नहीं बदलेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मक्कल निधि मैय्यम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने कहा है कि अगर किसी नेता की जनसभा में भारी भीड़ उमड़ती है तो इसका यह मतलब नहीं कि पूरी भीड़ वोट में बदल जाएगी और यह नियम उन पर और विजय दोनों पर लागू होता है। अभिनेता से नेता बने विजय नवोदित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख हैं। टीवीके प्रमुख विजय की रैलियों में भारी भीड़ के उमड़ने और ''पूरी भीड़'' के वोट में नहीं बदलने के बारे में हो रही आलोचना को लेकर पूछे जाने पर हासन ने पत्रकारों से कहा, ''यह निश्चित है, (सभी पर नहीं) यह वोट में नहीं बदलेगा, यह सभी नेताओं पर लागू होता है।''

जब उनसे दोबारा पूछा गया कि क्या यह नियम टीवीके प्रमुख विजय पर लागू होता है तो उन्होंने कहा, ''जब यह सभी नेताओं पर लागू होता है, तो हम विजय को कैसे बाहर कर सकते हैं? यह मुझ पर और भारत के सभी नेताओं पर लागू होता है, आपने भीड़ तो खींच लेते हैं, लेकिन वह (सारी) वोट में नहीं बदलेगी।'' यह पूछे जाने पर कि राजनीति में प्रवेश कर चुके विजय को वह क्या सलाह देंगे, इस पर उन्होंने कहा, ''सही रास्ते पर चलें, साहस के साथ आगे बढ़ें और लोगों का भला करें और यही मेरी सभी नेताओं से अपील है।'' उन्होंने 21 सितंबर, 2025 को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजनीति की बात तो छोड़िए आलोचना तो सिनेमा में भी होती है और कई लोग महत्वाकांक्षी अभिनेताओं की भी आलोचना करते हैं।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एवं अन्य दलों ने आलोचना करते हुए कहा था कि विजय की रैलियों में उमड़ी भारी भीड़ वोट नहीं बदलेगी। इसके बाद विजय ने 20 सितंबर को तिरुवरूर में एक रैली को संबोधित करते हुए नाटकीय ढंग से कहा कि उन्हें (विरोधियों को) संदेह है और फिर उन्होंने लोगों से पूछा, ''वे (प्रतिद्वंद्वी और आलोचक) कहते हैं कि यह एक खोखली भीड़ है जो (टीवीके को) वोट नहीं देगी, क्या यह एक खोखली भीड़ है?'' जब वहां मौजूद भारी भीड़ ने विजय... विजय...'' के ऊंचे नारे लगाए तो इसे टीवीके को वोट देने की शपथ के रूप में देखा गया और टीवीके प्रमुख ने लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया। विजय ने कहा कि ''टीवीके का उद्देश्य एक सच्चे लोकतंत्र की स्थापना करना है, जिसमें सच्चाई हो।''

'बानू मुश्ताक से दशहरा का उद्घाटन कराने का फैसला सही, लोगों ने इसे स्वीकार किया'

मैसूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक को मैसूरू दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के अपनी सरकार के फैसले का पुरजोर बचाव किया और कहा कि राज्य के बहुसंख्य लोगों ने इसे स्वीकार कर लिया है और इससे राज्य को प्रतिष्ठा मिली है। सिद्दरामय्या ने कहा कि दशहरा किसी एक धर्म या जाति का त्योहार नहीं है, यह सभी का त्योहार है। यह नाडा हब्बा (राज्य उत्सव) है, लोगों का त्योहार है। महलों के इस शहर में प्रसिद्ध 11 दिवसीय दशहरा समारोह सोमवार को धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के साथ शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन मुश्ताक ने किया। उद्घाटन समारोह विवादों के बीच हुआ, क्योंकि कुछ वर्गों ने मुश्ताक को आमंत्रित करने के सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई थी।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''बानू मुश्ताक जन्म से भले ही एक मुस्लिम महिला हों, लेकिन वह पहले एक इंसान हैं। इंसानों को एक-दूसरे से प्यार और सम्मान करना चाहिए और जाति-धर्म के आधार पर नफरत नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह मानवता का गुण नहीं है।'' मैसूरू दशहरा के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''अगर हम मानवता को स्वीकार करते हैं, तो हमें नाड हब्बा के उत्सव में भाग लेने वाले किसी भी जाति, धर्म या वर्ग के लोगों को स्वीकार करना चाहिए। इस राज्य के अधिकांश लोगों ने बानू मुश्ताक द्वारा दशहरा का उद्घाटन स्वीकार कर लिया है।'' उन्होंने कहा, ''इस वर्ष बानू मुश्ताक द्वारा दशहरा का उद्घाटन करना एक सही निर्णय है और इससे कर्नाटक को प्रतिष्ठा मिली है। इसलिए मैं जनता और सरकार की ओर से मुश्ताक को बधाई देता हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने उन लोगों को उचित सबक सिखाया, जिन्होंने दशहरा के उद्घाटन के लिए मुश्ताक को सरकार द्वारा आमंत्रित किए जाने का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि अदालतों ने उनसे संविधान की प्रस्तावना पढ़ने को कहा है।

उन्होंने कहा, ''सभी को यह समझना चाहिए कि हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष है। हम एक ऐसा समाज हैं, जहां विविधता में एकता है, चाहे हमारा धर्म और जाति कुछ भी हो, हम सभी भारतीय हैं। जो लोग संविधान का विरोध करते हैं, वे इसे विकृत करने की कोशिश करते हैं, ऐसे लोग स्वार्थी हैं।'' मुश्ताक के उद्घाटन भाषण की सराहना करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि वह खुद भी बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका की तरह नहीं बोल सकते।

उन्होंने कहा, एक कवि, लेखिका और उद्घाटनकर्ता होने के नाते, उन्होंने इस परिस्थिति में सटीक और सार्थक ढंग से बात की। मुझे उम्मीद है कि सभी ने उनका संदेश समझ लिया होगा। शायद उन्होंने उनलोगों की भी आंखें खोल दी हैं, जो उनका विरोध करते थे, यहां तक कि जो लोग उनका विरोध करते थे, वे भी अंदर से खुश हैं।'' उन्होंने एक किसान संगठन का हिस्सा होने, एक कार्यकर्ता, कन्नड़ लेखिका और कवि के रूप में मुश्ताक के काम की सराहना की। सरकार द्वारा उन्हें आमंत्रित करने के फैसले का विरोध इस आरोप से उपजा है कि मुश्ताक ने अतीत में ऐसे बयान दिए हैं जिन्हें कुछ लोग हिंदू विरोधी और कन्नड़ विरोधी मानते हैं। आलोचकों की दलील है कि पारंपरिक रूप से वैदिक अनुष्ठानों और देवी चामुंडेश्वरी को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ शुरू होने वाले इस उत्सव के लिए उनका चयन धार्मिक भावनाओं और इस आयोजन से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही परंपराओं का अनादर करता है। भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने राज्य सरकार द्वारा मुश्ताक को दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर आपत्ति जतायी थी। यह आपत्ति एक पुराने वीडियो के वायरल होने के बाद जताई गई थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा की देवी भुवनेश्वरी के रूप में पूजा करने पर आपत्ति जताई है और कहा है कि यह उनके (अल्पसंख्यकों) जैसे लोगों के लिए अपवाद है। भाजपा के कई नेताओं ने मुश्ताक से दशहरा के उद्घाटन के लिए सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा स्पष्ट करने को कहा था। हालांकि, मुश्ताक ने कहा है कि उनके पुराने भाषण के कुछ चुनिंदा अंशों को सोशल मीडिया पर पोस्ट करके उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।

यह उल्लेख करते हुए कि दशहरा उत्सव की शुरुआत विजयनगर साम्राज्य के राजाओं ने की थी और उसके पतन के बाद, राजा वाडियार प्रथम के नेतृत्व में मैसूरू के राजाओं ने 1610 में इसे मनाना शुरू किया, मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदर अली और टीपू सुल्तान ने भी मैसूरू पर अपने शासन के दौरान श्रीरंगपट्टनम में दशहरा मनाया था। उन्होंने कहा, लोगों को इतिहास जानना चाहिए। इतिहास को तोड़-मरोड़कर, स्वार्थ और राजनीति के लिए काम करना एक अक्षम्य अपराध है।

मैसूरू दशहरा कर्नाटक की संस्कृति का प्रतीक, चामुंडेश्वरी नारी शक्ति की प्रतीक : बानू मुश्ताक

मैसूरू। अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक ने सोमवार को मैसूरू दशहरा उत्सव का उद्घाटन करते हुए इसे कर्नाटक की साझा संस्कृति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मैसूरू की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी नारी शक्ति और उसकी अजेय इच्छाशक्ति की प्रतीक हैं।

मुश्ताक ने कहा कि नारी होना केवल कोमलता और मातृस्नेह का प्रतीक नहीं है, बल्कि अन्याय से लड़ने वाली शक्ति का भी प्रतीक है। मैसूरू में धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के साथ प्रसिद्ध 11 दिवसीय दशहरा उत्सव शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन बानू मुश्ताक ने किया। उत्सव का उद्घाटन विवादों के साये के बीच हुआ, क्योंकि समाज के कुछ वर्ग के लोगों ने त्योहार का उद्घाटन करने के लिए सरकार द्वारा बानू मुश्ताक को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में 'वृश्चिक लग्न' में पुजारियों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मैसूरू और वहां के राजपरिवारों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प वर्षा करके उत्सव का उद्घाटन किया। इससे पहले, उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ चामुंडेश्वरी मंदिर में जाकर देवी की पूजा-अर्चना की। मुश्ताक ने कहा, हमारी संस्कृति हमारा मूल आधार है, सद्भाव हमारी ताकत है, और अर्थव्यवस्था हमारे पंख हैं। आइए हम युवाओं के साथ मिलकर एक नया समाज बनाएं, जो मानवता के मूल्य और प्रेम से परिपूर्ण हो, जो शैक्षिक, आर्थिक और औद्योगिक रूप से मजबूत हो।

कर्नाटक में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने संबंधी याचिका पर सुनवाई आज से

बेंगलूरू। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह उस याचिका पर 23 सितंबर को सुनवाई करेगा, जिसमें कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से किए जा रहे सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण (जातिगत गणना) पर अंतरिम रोक लगाने का अनुरोध किया गया है। सर्वेक्षण की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं जब मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ के समक्ष आईं, तो अदालत ने शुरू में सुझाव दिया कि इस मामले पर दशहरा के अवकाश के बाद सुनवाई की जा सकती है।

हालांकि, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि यह मुद्दा बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि संबंधित प्रक्रिया में निवासियों की 'जियो-टैगिंग' और उनके विवरण को आधार के साथ जोड़ना शामिल है, जो गोपनीयता के अधिकारों का उल्लंघन है और आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवाओं का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 के विपरीत है।

वकील ने इस तरह का सर्वेक्षण कराने के राज्य सरकार के अधिकार पर भी सवाल उठाया। कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग के नवदगी ने अदालत को बताया कि डेटा संग्रह का काम छह अक्टूबर तक यानी छुट्टियों के बाद अदालतों के फिर से खुलने से पहले पूरा हो जाएगा, ऐसे में उच्च न्यायालय के लिए अभी हस्तक्षेप करना जरूरी है।

कांग्रेस कन्हैयालाल की हत्या पर कर रही है राजनीति : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि जब भाजपा सरकार ईमानदारी से कार्य कर रही है, तो उन्हें अपनी ज़मीन खिसकती दिख रही है और विपक्ष जनता को गुमराह करने के लिए केवल प्रचार एवं भ्रमजाल फैला रहा है। राठौड़ सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा की भजनलाल सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और जनसेवा को लेकर गहलोत एवं विपक्ष द्वारा भ्रामक एवं तथ्यहीन सूचनाएं फैलाई जा रही है जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपने शासनकाल के दौरान की नाकामियां याद होनी चाहिए, जब भ्रष्टाचार, अपराध, बजरी और शराब माफियाओं को खुली छूट मिली थी।

अब जब भाजपा सरकार ईमानदारी से कार्य कर रही है, तो उन्हें अपनी ज़मीन खिसकती दिख रही है। भाजपा और राज्य सरकार जनहित को सर्वोपरि रखती है। यदि कहीं समस्या है, तो सरकार खुले मन से उसे सुधारने को तैयार है लेकिन विपक्ष द्वारा गढ़ी गई कहानियों और नकारात्मकता का जवाब जनता लगातार उपचुनावों में दे रही है और आगामी निकाय एवं पंचायत चुनावों में भी देगी।

राठौड़ ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने विशेष स्क्वाड, फास्ट ट्रेक कोर्ट और 24 घंटे महिला हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं सक्रिय की हैं0। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है, किसी भी अपराधी को राजनीतिक संरक्षण नहीं है, जैसा कि कांग्रेस सरकार में होता था। पेपरलीक माफियाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और उनकों सलाखों के पीछे पहुंचा रहे है। वहीं मुख्यमंत्री जनसुनवाई, ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों और आपका विधायक, आपके द्वार जैसी योजनाओं के ज़रिए सीधे जनसंवाद हो रहा है। भाजपा के विधायक, जनप्रतिनिधि और मंत्री जनता के बीच हैं, न कि एसी कमरों में बैठकर ट्विटर राजनीति कर रहे हैं0। विपक्ष का एजेंडा सिर्फ और सिर्फ भ्रम फैलाने का है वो इसके अलावा कुछ नहीं कर पा रहे।

उन्होंने कहा कि गहलोत और कांग्रेस पार्टी कन्हैयालाल जैसे निर्दोष नागरिक की हत्या पर भी घिनौनी राजनीति कर रही है। गहलोत को यह साफ करना चाहिए कि जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, तब आखिर क्यों कन्हैयालाल की हत्या को रोकने में पुलिस और खुफिया एजेंसियां नाकाम रहीं0।

शहरी सेवा शिविर बन रहे आमजन की सेवा के पर्याय : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रारम्भ किए गए शहरी सेवा शिविर-2025 जनसेवा का पर्याय बन रहे हैं0। 17 सितम्बर से प्रारम्भ हुए इन शिविरों में अब तक हजारों की संख्या में आमजन के प्रकरणों का निस्तारण कर त्वरित राहत पहुंचाई गई है। प्रदेशभर में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले ये शिविर जनता की उम्मीदों को हक़ीक़त में बदल रहे हैं0। आमजन के लंबित प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करते हुए वन स्टॉप समाधान के रूप में कार्य कर रहे हैं0। किसी भी व्यक्ति को अधिकृत सेवा और सुविधा के लिए इंतज़ार न करना पड़े, यह इन शिविरों के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के सतत0 पर्यवेक्षण के फलस्वरूप इन शिविरों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं0। अद्यतन प्रगति रिपोर्ट (सोमवार तक) के अनुसार इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों के कुल 3 हजार 656 पट्टों का वितरण किया जा चुका है। इनमें धारा 69-ए के अन्तर्गत 290 परिवारों को पट्टे का वितरण तथा 237 अपंजीकृत पट्टों को पुनर्वैध कर उनका पंजीकरण किया गया है। कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं में 2 हजार 121 लोगों के पट्टे स्वीकृत किए गए है। वहीं, निकाय, न्यास एवं प्राधिकरण की स्वयं की योजनाओं के अन्तर्गत 552 पट्टे जारी किए गए हैं0। पूर्व में जारी पट्टों के समर्पण के बाद 63 नए पट्टे पुनः जारी किए गए और 203 प्रकरणों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड में परिवर्तित किया गया। साथ ही, 42 पट्टे स्टेट ग्रांट के तहत स्वीकृत हुए हैं0। इन शिविरों के माध्यम से कच्ची बस्ती नियमन के तहत 148 बस्तियों को कानूनी पहचान प्रदान भी की गई0।

यह अभियान केवल पट्टा वितरण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नगरीय निकायों को स्वच्छ, सुगम और हरित बनाने की दिशा में अहम साबित हो रहा है। अब तक रहवासी क्षेत्रों में 16,525.5 किलोमीटर सड़कों और वाणिज्यिक क्षेत्रों में 12,023.15 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई है। सीवर कनेक्शन के 2 हजार 287 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं, वहीं जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से जुड़े 17 हजार 593 प्रकरणों का निस्तारण भी हुआ है। इन शिविरों में विभिन्न लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 358 और मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के 744 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं0। साथ ही 19,797.85 मीटर क्षेत्र में नाला-नाली मरम्मत कार्य करवाए गए हैं0। स्वच्छ और हरित नगरीय जीवन की ओर कदम बढ़ाते हुए अभियान के दौरान 11 हजार 661 पौधें भी लगाए गए हैं0। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सामाजिक सरोकारों से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रदेश में सामाजिक उत्थान और जनोपयोगी कार्यों की मुहिम चलाई है। श्री शर्मा के नेतृत्व में मिशन हरियालो राजस्थान, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, कर्मभूमि से मातृभूमि, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा जैसे नवाचार किए, जिसमें गांव-ढाणी से लेकर कस्बों तक सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार होने के साथ ही सुदृढ़ीकरण भी हुआ0। अंत्योदय की संकल्पना को तेजी से धरातल पर साकार करने में इन नवाचारों ने अहम भूमिका निभाई है।

बाघ बाघिन की गतिविधियों के बाद सरिस्का में मंदिर क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का के बफर जोन स्थित बाला किला क्षेत्र में बाघ और बाघिन की गतिविधियां देखे जाने के बाद यहां सतर्कता बढ़ा दी गयी है। वन विभाग के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि आज से ही करणी माता का मेला शुरू हो गया है। यह बाला किला के समीप ही है। अरावली की वादियों में स्थित करणी माता का मंदिर रियासत कालीन है और इस बार 10 दिन नवरात्र के दौरान यहां लाखों श्रद्धालु आयेंगे। उनकी सुरक्षा के मद्देनजर यहां पूरी तरह सतर्कता बरती जा रही है। सूत्रों ने बताया कि हालांकि मानसून के दौरान यहां बाला किला और मंदिर जाने वाला रास्ता पानी में बह गया था। उस रास्ते को तीन महीने बाद अब वैकल्पिक रूप से शुरू किया गया है, जिसमें सिर्फ दो पहिया वाहन जाने की इजाजत दी गयी है। मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने के चलते चौपहिया वाहनों को अनुमति नहीं दी गयी है। उधर, सरिस्का के बफर जोन के रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि यहां गत दिनों बाघिन ने शावक को जन्म दिया था और इसी मंदिर के आसपास उसने अपना क्षेत्र बना रखा है। शावक के कारण वह शोरगुल देखकर हिंसक भी हो सकती है। ऐसे में यहां उस पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। यहां 15 कर्मचारियों को तैनात किया गया है, जहां बाघिन की मौजूदगी है, वहां अलग से कर्मचारी तैनात किये गये हैं0। स्थानीय प्रशासन ने भी अपने कर्मचारी यहां तैनात किये हैं0। आने जाने वाले लोगों को भी आगाह किया जा रहा है।

यहां बाघों के अलावा अन्य वन्य जीवों का भी विचरण होता है, ऐसे में आमजन को हिदायत दी गयी है कि यहां खाद्य सामग्री न डालें और दीवारों पर न चढ़ें0। कच्चे रास्तों का उपयोग नहीं करें0। प्रशासन द्वारा जो रास्ते तय किये गये हैं वहीं से आवागमन करें0। आमजन के लिये सुबह छह बजे से शाम को साढ़े पांच बजे तक यहां आने का समय निर्धारित किया गया है।

नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा संबल : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र लूणी के सर गांव में किसानों से संवाद कर जीएसटी रिफॉर्म पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने किसानों को कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर 'सबका साथ सबका विकास' की भावना के अनुरूप जीएसटी रिफॉर्म को आज नवरात्र (22 सितंबर) के पावन पर्व पर सम्पूर्ण देश में लागू किया गया है। उन्होंने कहा नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल मिलेगा।

पटेल ने कहा जीएसटी रिफॉर्म करोड़ों किसानों को सशक्त बनाने, डेयरी उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने और डेयरी उत्पादों को हर घर के लिए अधिक किफायती बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा जीएसटी रिफॉर्म से कृषि मशीनीकरण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा 1800 सीसी तक के ट्रैक्टर और उसके पाट0र्स की खरीद पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगी। साथ ही 15 एचपी से अधिक शक्ति के फिक्स्ड स्पीड डीजल इंजन, कटाई या थ्रेसिंग मशीनरी और कम्पोस्ट मशीन पर भी अब केवल 5 फीसदी जीएसटी लगेगी। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा अमोनिया, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड और जैव-कीटनाशक और सूक्ष्म पोषक तत्व पर पूर्व में 18 प्रतिशत जीएसटी लगती थी अब केवल 5 प्रतिशत लगेगी। वहीं जैव-कीटनाशकों और कई सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से कम कर 5 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने कहा डेयरी उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाकर उन्हें प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देने के लिए मक्खन, घी, प्रिजर्व्ड सब्जियां एवं फलों को भी 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब में रखा गया है और दूध और पनीर को जीएसटी से मुक्त रखा गया है।

पटेल ने कहा डेयरी एवं डेयरी प्रसंस्करण उद्योग से महिला स्वयं सहायता समूह प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए है। नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और उनका आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा।

राज्य में कानून- व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब, विधायक का आवास भी सुरक्षित नहीं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार को रेत माफिया, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, बिजली और किसानों के मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि राज्य में कानून- व्यवस्था बिगड़ इतनी बिगड़ चुकी है कि विधायक का आवास भी सुरक्षित नहीं है। गहलोत ने सोमवार को राजस्थान में भीलवाड़ा में पत्रकारों से कहा कि विधायक के आवास पर लगातार तीन बार चोरी हो चुकी है और कोई सुनने वाला नहीं है। पुलिस और जनता दोनों असुरक्षित महसूस कर रहे हैं0। अवैध बजरी माफियाओं की ऊपर से नीचे तक सांठगांठ है। बजरी माफिया के हौंसले इतने बुलंद हैं कि पुलिस तक पर हमले हो रहे हैं0। हाल ही में कपासन में जिस युवक पर हमला हुआ था, उसके पीछे भी भीलवाड़ा के बजरी माफिया बताये जा रहे हैं0।

गहलोत ने कहा कि मौजूदा सरकार को अभी डेढ़ वर्ष ही हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जमकर काम करना चाहिए0। विपक्ष जो कहता है, उसमें विश्वास होता है और सरकार को चाहिए कि वह उन बातों पर ध्यान दे। भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि इनके पास जनता से मिलने का समय नहीं है। एक साथ कई योजनाओं का उद्घाटन कर देते हैं, लेकिन हकीकत में विकास कार्य ठप पड़े हैं0। ठेकेदारों और विभागों को भुगतान तक नहीं किया जा रहा है, जिससे काम रुक गये हैं0।

गहलोत ने बिजली नीति पर भी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनकी सरकार में 100 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाती थी, लेकिन भाजपा ने नये रजिस्ट्रेशन करना बंद कर दिये। यह जनता के साथ भेदभाव है और नये कनेक्शन तक नहीं दिये जा रहे। उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ वायदे करती है, लेकिन लोगों को राहत नहीं देती।

भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग गौ भक्त बनने का नाटक करते हैं, लेकिन असली सेवा कांग्रेस करती है। कांग्रेस सरकार ने ही गौशालाओं को अनुदान दिया था, जबकि अब भाजपा सरकार में यह अनुदान तक पूरा नहीं मिल रहा। उन्होंने भीलवाड़ा में हुई मौत और हमलों पर ठोस कार्रवाई की मांग की और कहा कि ऐसे मामलों में सरकार को जवाबदेह होना चाहिए0। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के मुद्दे पर गहलोत ने कहा कि शुरुआत में वायदा किया गया था कि केवल एक स्लैब होगा, लेकिन भाजपा ने कई स्लैब बना दिये। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लेकर पूछे गये सवाल पर गहलोत ने कहा कि वह अनुभवी नेता हैं और अगर वह सत्ता में होतीं तो राजनीति करने का मजा और आता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर उन्होंने कहा कि गांधी जब बोलते हैं, तो दुनिया सुनती है।

गहलोत ने भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार की सरकार बताया और कहा कि विभागों में भुगतान बंद है, ठेकेदार परेशान हैं और विकास कार्य रुक गये हैं0। दूसरी ओर विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं0। अखबारों के पन्ने विज्ञापनों से भरे हुए हैं, लेकिन जनता को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। आखिर में उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा कहा कि उन्हें सतर्क रहना चाहिए और खुफिया व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए0। हर 15 दिन में रिपोर्ट लेकर यह समझना चाहिए कि विपक्ष जो मुद्दे उठा रहा है, उनमें दम है या नहीं0।

देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता के प्रतीक है नवरात्रा : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नवरात्रा पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि भारत की संस्कृति में नवरात्रा का विशेष महत्व है। यह पर्व शक्ति, साधना और भक्ति का प्रतीक है। मां दुर्गा की उपासना के इन नौ दिनों में साधक आत्मबल, सद्गुण और समाजसेवा की प्रेरणा प्राप्त करते हैं0। नवरात्रा का प्रत्येक दिन देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की आराधना और जीवन में सकारात्मकता लाने का अवसर प्रदान करता है। यह पर्व समाज में एकता और सामूहिक सद्भावना की भावना को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि यह त्यौहार देश की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता का प्रतीक हैं जो कि लोक जीवन में उल्लास भरने के साथ यह उत्सव हमें सांस्कृतिक और सामाजिक सुदृढ़ता के सूत्र में पिरोता हैं0।

हर जगह भ्रष्टाचार और अपराध, भूमाफिया हावी : टीकाराम जूली

अलवर। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा है कि राज्य में भू- माफिया हावी हैं और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। जूली ने सोमवार को अलवर स्थित मोती डूंगरी कार्यालय पर पत्रकारों से कहा कि राज्य में हर जगह भ्रष्टाचार और अपराध का बोलबाला है।

सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में खाटू श्याम जी में हरियाणा पुलिस के साथ मारपीट की घटना हुई, वहीं भरतपुर में, जो मुख्यमंत्री का गृह जिला है, वहां पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ0। लगातार बढ़ते अपराध यह साबित करते हैं कि सरकार की कानून व्यवस्था पर पकड़ नहीं है और अपराधी खुलेआम सक्रिय हैं0।

जूली ने आरोप लगाया कि माफिया लगातार हावी होते जा रहे हैं0। जमीनों पर कब्जा, अवैध खनन और भ्रष्टाचार की घटनायें रोजाना सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार आंखें मूंदकर बैठी है। जनता सुरक्षा और राहत की उम्मीद लगाये बैठी है, मगर सरकार सिर्फ वायदों तक ही सीमित है। सरस डेयरी चुनाव को लेकर भी जूली ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर सवाल उठाते हुए कहा कि डेयरी चुनाव में सत्ता पक्ष दखल देने की कोशिश कर रहा है और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने में भी विफल है।

विधानसभा के मुद्दे पर जूली ने कहा कि विधानसभाध्यक्ष ने अब कैमरे लगवाकर वह बातें भी रिकॉर्ड करवाना शुरू कर दी हैं, जो परंपरागत रूप से रिकॉर्ड नहीं होती थीं0। इस विषय पर जब विपक्ष ने जवाब मांगा, तो विधानसभाध्यक्ष और सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं था। उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी होती जा रही हैं0। हर स्तर पर घोटाले हो रहे हैं0।

जनता का भरोसा सरकार से उठ चुका है और प्रशासन पूरी तरह माफियाओं के दबाव में काम कर रहा है। कांग्रेस लगातार जनता की आवाज उठाती रहेगी और सच्चाई को सामने लाने का काम करती रहेगी। अब वक्त आ गया है कि राज्य की जनता सच्चाई को समझे और सरकार से जवाब मांगे।

पूजा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को शारदीय नवरात्र स्थापना पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राज राजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की। शर्मा ने मां दुर्गा की आराधना करते हुए प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

भव्य अनुष्ठानों के साथ नवरात्रि उत्सव की शुरुआत

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को नवरात्रि का पहला दिन भव्य समारोहों और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। देवी दुर्गा को समर्पित नौ दिवसीय उत्सव के आगमन का जश्न मनाने के लिए राज्य के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बांसवाड़ा से लेकर जयपुर, करौली और जोधपुर तक, श्रद्धालु प्रार्थना और अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए मंदिरों में एकत्रित हुए0। बांसवाड़ा के त्रिपुर सुंदरी मंदिर में देवी त्रिपुर सुंदरी को पांच किलोमीटर लंबी चुनरी चढ़ाई गई0। प्रतिवर्ष इस अनुष्ठान का आयोजन करने वाली विश्वकर्मा वंशी सेना ने इंदौर, उज्जैन और रतलाम समेत मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कई वाहनों के साथ एक भव्य शोभायात्रा निकाली।

आसपास के इलाकों से श्रद्धालु नंगे पैर मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर मंदिर को सफ़ेद कपड़ों से खूबसूरती से सजाया गया था और सुबह घट स्थापना समेत कई विशेष अनुष्ठान किए गए0। मंदिर प्रबंधक जागेश पंचाल ने बताया कि पूरे उत्सव के दौरान गरबा जारी रहेगा। करौली के कैला देवी मंदिरों और करौली जिले के झील का बाड़ा स्थित करौली-बयाना मार्ग पर स्थित मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई0। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा के लिए मंदिर के पास कालासिल घाट पर गोताखोर तैनात किए गए हैं0। जयपुर में, आमेर किले पर स्थित शिला माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। सुबह घट स्थापना समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए0। अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध यह मंदिर भक्ति मंत्रों से गूंज रहा था।

अदाणी समूह आईआईएम कोलकाता के छात्रों को देगा छात्रवृत्ति

कोलकाता/भाषा। अदाणी समूह ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) कोलकाता के छात्रों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम की सोमवार को घोषणा की।

'अदाणी एक्सेलेरेटेड लीडरशिप प्रोग्राम' (एएएलपी) पहल के तहत हर साल आईआईएम कोलकाता के छह एमबीए छात्रों को शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर दो किस्तों में कुल 1.62 करोड़ रुपए वितरित किए जाएंगे।

आईआईएम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय की उपस्थिति में इस आशय के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर संस्थान के डीन (विकास एवं बाह्य संबंध) प्रो. सुमन्त बसु ने कहा, यह नेतृत्व विकास, गतिविधि के क्षेत्रों में विविधता लाने और शोध में सहयोग पर हमारे साझा ध्यान से मेल खाता है।

प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश में 5,100 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आरोप लगाया कि विकास का जो भी काम मुश्किल होता है कांग्रेस उस काम को कभी हाथ नहीं लगाती और यह उसकी पुरानी आदत है हालांकि कांग्रेस की इस आदत से पूर्वोत्तर को बहुत नुकसान पहुंचा है।

अरुणाचल प्रदेश में दो बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं समेत 5,100 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का अनावरण करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने जीएसटी सुधारों की सराहना की और कहा कि नवरात्र के पहले दिन से कम दरें लागू होने से लोगों को इस त्योहारी सीजन में ''दोहरी सौगात'' मिलेगी। मोदी ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए दावा किया कि विपक्षी पार्टी ने विकास के मामले में अरुणाचल प्रदेश की अनदेखी की क्योंकि राज्य में केवल दो लोकसभा सीट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते थे कि पूर्वोत्तर का विकास दिल्ली से नहीं किया जा सकता, इसलिए उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों को इस क्षेत्र में कई बार भेजा और वह स्वयं यहां 70 से अधिक बार आए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस की एक पुरानी आदत है कि विकास का जो भी काम मुश्किल होता है, उस काम को वह कभी हाथ ही नहीं लगाती। वे इसे छोड़ देते हैं। कांग्रेस की इस आदत से अरुणाचल प्रदेश को और पूरे पूर्वोत्तर को बहुत नुकसान हुआ। मोदी ने कहा, पर्वतीय और जंगली क्षेत्रों में जहां विकास कार्यों में चुनौती थी, कांग्रेस उन क्षेत्रों को पिछड़ा घोषित कर देती थी और उन्हें भूल जाती थी।

मोदी ने कहा कि जिन क्षेत्रों को कभी सड़क निर्माण के लिए असंभव माना जाता था, वहां अब आधुनिक राजमार्ग हैं। उन्होंने कहा, सेला सुरंग जो कभी अकल्पनीय थी, अब अरुणाचल की गौरवशाली पहचान बन गई है। होलोंगी हवाई अड्डे पर एक नया टर्मिनल है और दिल्ली के लिए सीधी उड़ानें हैं। इससे छात्रों और पर्यटकों के लिए यात्रा आसान हुई है और किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक भेजने में भी मदद मिली है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश की इसलिए भी उपेक्षा की क्योंकि केवल दो लोकसभा सीटें हैं।

उन्होंने कहा, जब मुझे 2014 में देश की सेवा करने का अवसर मिला तो मैंने देश को कांग्रेस की मानसिकता से मुक्त करने का संकल्प लिया था। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत किसी राज्य में वोटों या सीटों की संख्या नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' है। हमारा एकमात्र मंत्र है 'नागरिक देवो भव'। मोदी ने कहा, मोदी उनको पूजता है जिनका किसी ने कभी हाल तक नहीं पूछा।

स्वदेशी और आत्मनिर्भरता हर भारतीय के लिए मूल मंत्र बनना चाहिए : आनंदीबेन पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि भारत का लक्ष्य हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाना है, ऐसे में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता लोगों का मूल मंत्र बनना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह में पटेल ने कहा, आज का भारत एक नए युग की दहलीज पर खड़ा है। यह एक ऐसा भारत है जिसने सदियों की तपस्या, संघर्ष और बलिदान के माध्यम से खुद को फिर से गढ़ा है। उत्तर प्रदेश राजभवन के एक बयान के अनुसार राज्यपाल ने आम लोगों को राहत देने वाले जीएसटी सुधारों और भारत में नए सांस्कृतिक पुनर्जागरण के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ... विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत, पर्यावरण संरक्षण से समृद्ध भारत और सभी क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने वाला भारत – ये केवल लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि लाखों भारतीयों की आकांक्षाएं हैं, जो हमें एक नए भविष्य की ओर अग्रसर कर रही हैं। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता लोगों के लिए मूल मंत्र बनना चाहिए क्योंकि भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। पटेल ने कहा कि भारत पहले से ही कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल करती है भाजपा सरकार, भ्रष्टाचार पर खामोश है : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि सरकार जब पुलिस को अपने गलत कार्यों में शामिल करेगी तो वह उसके भ्रष्टाचार को नजरअंदाज करने को भी मजबूर होगी। यादव ने पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित महाराजा अग्रसेन की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। पुलिस से गलत काम करवाती है। अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा कराने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराती है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जब भाजपा सरकार पुलिस से पॉलिटिकल पोलिंग करायेगी, उन्हें चुनावी गोरखधंधे का हिस्सा बनाएगी तो अवैध कार्यों, भ्रष्टाचार और वसूली में पुलिस की मिलीभगत को नजरअंदाज करने पर भी मजबूर होगी।

भारत को ट्रंप सरकार के आगे नहीं झुकना चाहिए : एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के आगे झुकना नहीं चाहिए। ओवैसी ने ट्रंप प्रशासन द्वारा एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर करने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका असर भारतीयों पर पड़ेगा क्योंकि इस तरह के वीजा धारकों में लगभग 71 प्रतिशत भारतीय नागरिक हैं और इनमें से अधिकांश लोग आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं।

उन्होंने कहा, मैं राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहता। लेकिन मोदी सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने ट्रंप के साथ रात्रिभोज किया और हम अपने पड़ोसी देश को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करते हुए भी देख रहे हैं। इस घटनाक्रम का क्या मतलब है?

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने संवाददाताओं से कहा, अगर हम इन पर नियंत्रण नहीं कर पाए तो हमारे बच्चों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। हमें ट्रंप सरकार के आगे बिल्कुल नहीं झुकना चाहिए। उन्होंने पूछा कि 'हाउडी मोदी' और ट्रंप समर्थक अन्य कार्यक्रमों की क्या उपलब्धि है?

ओवैसी ने कहा कि यह जरूरी है कि भारत को डॉलर-विमुद्रीकरण के बाद रुपए में व्यापार समझौते करने चाहिए।

जीएसटी दरों में कमी से लोगों में खुशी की लहर : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि विभिन्न वस्तुओं पर जीएसटी की कम दरों से लोगों में 'खुशी की लहर' दौड़ गई है। भाजपा ने जीएसटी सुधारों की आलोचना करने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उसके नेतृत्व वाली सरकार के दौरान उन्हीं उत्पादों पर उच्च कर दरों का हवाला दिया।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पर कांग्रेस के 'गब्बर सिंह टैक्स' वाले बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस की सरकार के दौरान बहुत अधिक दरों का हवाला देते हुए आश्चर्य जताया कि क्या इतना भारी कराधान 'गब्बर सिंह के बड़े दादा' जैसा था। उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दौरान सीमेंट, सैनिटरी पैड, पेंट, जूते, टीवी और फ्रिज पर कर की दरें क्रमशः 30, 13, 30, 18, 30 और 30 प्रतिशत थीं। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि अब संबंधित दरें 18, 0, 18, 5, 18 और 18 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा कि लागत में कमी से 'बचत का त्योहार' जैसा माहौल बना है और लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी और मौजूदा सुधारों से उनकी नाखुशी 'स्वाभाविक' है, क्योंकि सत्ता में रहते हुए उन्होंने सिर्फ बातें कीं और कोई कार्रवाई नहीं की।

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2017 में जीएसटी की एकीकृत कर प्रणाली लागू करते समय राज्यों को विश्वास में लिया था। दुकानदारों और खरीदारों से मिलने आरके पुरम बाजार आए वैष्णव ने कहा कि इसके प्रभाव के बारे में हर तरफ से अच्छी खबरें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार क्षेत्र ने कर कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। सरकार निगरानी रख रही है और अगर उपभोक्ताओं को लाभ नहीं दिया गया, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान व्यापारियों और दुकानदारों से बातचीत की और सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य सदस्यों ने भी ऐसा ही किया।

केंद्र ने जीएसटी दरें घटाकर वित्तीय बोझ राज्यों पर डाला : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर माल एवं सेवा (जीएसटी) कर की दरें घटाकर वित्तीय बोझ राज्यों पर डालने और इसका 'अनुचित श्रेय' लेने का आरोप लगाया।

ममता ने यहां दुर्गा पूजा के मौके पर एक समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा हालांकि जीएसटी कम करने से राज्य को 20,000 करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान होगा, फिर भी वह इस फैसले का स्वागत करती हैं, क्योंकि इससे आम आदमी को फायदा होगा।

नई जीएसटी दरें सोमवार से पूरे देश में लागू हो गईं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने ही (लोगों पर) अतिरिक्त जीएसटी बोझ हटाने की मांग की थी और केंद्र को इसका अनुचित श्रेय नहीं लेना चाहिए। केंद्र को एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। हर राज्य को राजस्व नुकसान से निपटने के तरीके खोजने होंगे।

ममता ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही जीएसटी कम करने के बाद राज्य के रुख पर अखबारों में विज्ञापन जारी करेगी। उन्होंने पूछा, 20,000 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान के बाद हमें पैसा कैसे मिलेगा?

मुख्यमंत्री ने रविवार को भी जीएसटी कम करने का अनुचित श्रेय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की थी।

मोदी ने 21 सितंबर को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि सोमवार को 'नवरात्र' के पहले दिन से 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू होगा, जो आयकर छूट के साथ मिलकर अधिकांश लोगों के लिए 'डबल बोनैंजा' (दोहरा लाभ) होगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा कि राज्य में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई विभिन्न समुदायों के लोग दुर्गा पूजा उत्सव में भाग लेते हैं।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा, विविधता में एकता ही हमारी ताकत है।

ममता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित कुछ राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासियों का कथित तौर पर उत्पीड़न किए जाने के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, मुझे हर भाषा से प्यार है, लेकिन मैं अपनी भाषा का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि किसी को भी धार्मिक विभाजन के बीज नहीं बोने चाहिए, क्योंकि दुर्गा, वैष्णो देवी और काली एक ही देवी हैं। ममता ने कहा, जब हर धर्म अपने-अपने रास्तों से ईश्वर तक पहुंचने की बात करता है, तो हमें गुटों में क्यों बंटना और लड़ना चाहिए?

मुख्यमंत्री ने जनता से उन लोगों से भी सतर्क रहने को कहा, जो उन्हें बांटने की कोशिश करते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, कृपया दूसरों का, उनकी संस्कृति, बोली और विरासत का सम्मान करें। हमें बांटने वालों के षड्यंत्रों का शिकार न बनें। कृपया किसी का अपमान न करें।

'मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, मेरे बारे में फैलाई जा रहीं अफवाहें निराधार'

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ ''बेबुनियाद अफवाहें'' फैलाई जा रही हैं, जिसमें ''ट्रोल, पेड मीडिया और वे लोग शामिल हैं जिनकी मंशा पार्टी पर कब्जा करने की है। आचार्य ने रविवार रात 'एक्स' पर एक नए पोस्ट में लिखा, मेरी कभी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं रही, मुझे न तो राज्यसभा जाने में रुचि है, न ही विधानसभा का टिकट चाहिए। न ही मैं किसी अन्य दावेदार का समर्थन करने में दिलचस्पी रखती हूं। उन्होंने लिखा, परिवार के किसी भी सदस्य के प्रति मेरा कोई विरोध नहीं है और न ही मैं भविष्य की किसी सरकार में पद चाहती हूं। मेरे लिए मेरा आत्मसम्मान, माता-पिता के प्रति समर्पण और परिवार की इज्जत सर्वोपरि है। मेरे खिलाफ अफवाहें फैलाने में वे लोग लगे हुए हैं, जिनकी मंशा पार्टी पर कब्जा करने की है। इससे पहले उनके कुछ हालिया 'एक्स' पोस्ट से अटकलें तेज हो गई थीं कि वह अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के बढ़ते प्रभाव से असहज हैं। मीडिया में आईं कुछ खबरों में यह भी कहा गया कि सिंगापुर में रहने वालीं आचार्य ने अपने पिता और छोटे भाई को सोशल मीडिया पर ''अनफॉलो'' कर दिया है। हालांकि दोनों अब भी उन्हें फॉलो कर रहे हैं। आचार्य के 'एक्स' पर दो लाख से अधिक 'फॉलोवर' हैं और वह केवल तीन अकाउंट को फॉलो करती हैं।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के कॉकपिट क्षेत्र में पहुंचा यात्री, मामले की जांच शुरू

मुंबई/वाराणसी/भाषा। एअर इंडिया एक्सप्रेस की 22 सितंबर को बेंगलूरु से वाराणसी जाने वाली उड़ान के दौरान एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया। विमानन कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई और घटना की जांच जारी है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में बताया, हमें वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान में हुई घटना की जानकारी मिली है, जहां एक यात्री शौचालय की तलाश में कॉकपिट प्रवेश क्षेत्र में पहुंच गया। हम पुष्टि करते हैं कि सुरक्षा के पुख्ता प्रोटोकॉल लागू हैं और सुरक्षा से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया गया। विमानन कंपनी ने कहा कि मामले की सूचना विमान के उतरते समय संबंधित अधिकारियों को दे दी गई थी और फिलहाल मामले की जांच जारी है। वाराणसी में अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने विमान के उतरते ही एक व्यक्ति व उसके आठ साथियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें स्थानीय फूलपुर थाना पुलिस के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि उस व्यक्ति ने उड़ान के दौरान कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की थी। सिंह ने बताया, उसे (कॉकपिट में प्रवेश की कोशिश करने वाले व्यक्ति को) उतरते ही गिरफ्तार कर लिया गया और हमें सौंप दिया गया। सभी नौ लोग बेंगलूरु के रहने वाले थे और तीर्थयात्रा के लिए वाराणसी आए थे। उनसे पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई उसके आधार पर की जाएगी।

आरएसएस नेता ने वैश्विक षड्यंत्रों का मुकाबला करने के लिए हिंदू समाज को मजबूत करने पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। नेपाल में हाल में हुए 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शनों और भारतीय निर्यात पर अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्कों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता सुनील आंबेकर ने सोमवार को कहा कि हिंदू समाज को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि विश्व दुनिया भर में जारी साजिशों से मुक्त हो सके।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख आंबेकर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य है कि पूरी दुनिया संकट से मुक्त हो। वह आरएसएस के शताब्दी समारोह की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जो दो अक्टूबर को विजयादशमी से नागपुर में शुरू होगा।

नेपाल में कथित भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ हाल ही में हुए 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शनों के कारण के पी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 72 लोग मारे गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है।

अमेरिकी सरकार ने यह भी कहा है कि 21 सितंबर के बाद जमा किए जाने वाले सभी नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 100,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क देना होगा।

नेपाल में जो कुछ हुआ, उसके बारे में आरएसएस के आकलन और क्या भारत को अमेरिकी सरकार के फैसलों के बीच अपनी विदेश नीति पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए, इस बारे में पूछे जाने पर, आंबेकर ने कहा, आरएसएस समेत पूरा भारत देश की प्रगति और मजबूती के लिए काम कर रहा है और निश्चित रूप से भारत को इतना मजबूत बनना चाहिए कि दुनिया के किसी भी समाज को ऐसे संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा, आरएसएस का उद्देश्य है कि पूरा विश्व संकट से मुक्त हो। हिंदू समाज को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि विश्व दुनिया भर में जारी साजिशों और दुनिया के सामने आने वाले संकट से मुक्त हो सके।

आंबेकर ने यह भी कहा कि आरएसएस शताब्दी वर्ष के दौरान अपने कार्यक्रमों के तहत देश भर के शहरों और गांवों में लगभग 1,03,000 स्थानों पर 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करने की योजना बना रहा है।

मणिपुर के प्रमुख अस्पताल में चिकित्सकों और स्वास्थ कर्मियों ने की हड़ताल

इंफाल/भाषा। इंफाल स्थित क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में महिला मरीज की मौत के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान एक वरिष्ठ चिकित्सक पर हमला किए जाने के बाद संस्थान के चिकित्सकों, नर्स, कर्मचारियों और छात्रों ने 'न्याय' की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। रिम्स के शिक्षक एवं चिकित्सा अधिकारी संघ (तमोआ) ने विरोधस्वरूप राज्य के सबसे बड़े अस्पताल में सभी सेवाएं स्थगित कर दीं।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने हमले में शामिल लोगों की गिरफ्तारी तथा स्वास्थ्य कर्मियों के लिए काम के सुरक्षित वातावरण की मांग जारी रखी और आंदोलन के बीच आपातकालीन, बाह्य रोगी व नियमित ऑपरेशन बंद रहे। लिलोंग चाजिंग की एक महिला मरीज चिंगशुबाम ओंगबी मंजू (35) की शल्य चिकित्सा प्रसव के बाद हुई जटिलताओं के कारण रविवार को मृत्यु हो गई। महिला की मौत के बाद अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और महिला के पड़ोसियों, रिश्तेदारों और लोगों ने प्रोफेसर पर हमला किया तथा संपत्ति में तोड़फोड़ की।

वित्त वर्ष 2022-23 में 16 राज्य राजस्व अधिशेष में रहे, उत्तर प्रदेश सबसे आगे : कैग रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल थे राजस्व घाटे की स्थिति में रहने वाले राज्य

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2022-23 में 16 राज्यों ने राजस्व अधिशेष दर्ज किया जिसमें उत्तर प्रदेश 37,263 करोड़ रुपए के साथ सबसे आगे रहा जबकि गुजरात एवं ओडिशा उसके पीछे रहे। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

15वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित राजकोषीय दायित्व एवं वित्तीय समेकन मार्ग के तहत राज्यों को या तो शून्य राजस्व घाटे की स्थिति में होना था या फिर राजस्व अधिशेष में होना था।

राज्यों की वित्तीय स्थिति पर जारी कैग की पहली रिपोर्ट कहती है कि मार्च, 2023 तक कुल 28 में से 16 राज्य राजस्व अधिशेष में थे जबकि 12 राज्य राजस्व घाटे की स्थिति में थे।

उत्तर प्रदेश 37,263 करोड़ रुपए के राजस्व अधिशेष के साथ इस सूची में सबसे आगे रहा। इसके बाद गुजरात का राजस्व अधिशेष 19,865 करोड़ रुपए, ओडिशा का 19,456 करोड़ रुपए, झारखंड का 13,564 करोड़ रुपए, कर्नाटक का 13,496 करोड़ रुपए, छत्तीसगढ़ का 8,592 करोड़ रुपए, तेलंगाना का 5,944 करोड़ रुपए, उत्तराखंड का 5,310 करोड़ रुपए, मध्य प्रदेश का 4,091 करोड़ रुपए और गोवा का 2,399 करोड़ रुपए रहा।

वहीं, राजस्व घाटे वाले 12 राज्यों का संयुक्त राजस्व घाटा 2,22,648 करोड़ रुपए था। वित्त आयोग ने इन राज्यों के घाटे की भरपाई के लिए वित्त वर्ष 2022-23 में 86,201 करोड़ रुपए का अनुदान दिया था जो कुल राजस्व घाटे का 39 प्रतिशत था।

राजस्व घाटे की स्थिति में रहने वाले राज्य आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, मेघालय, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार, केरल, मेघालय और महाराष्ट्र में राजस्व प्राप्तियां राजस्व व्यय का 90-100 प्रतिशत थीं। असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में यह अनुपात 80-90 प्रतिशत, जबकि आंध्र प्रदेश और पंजाब में 75-80 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 2022-23 में वित्त आयोग की कुल अनुदान राशि 1,72,849 करोड़ रुपए रही, जिसमें राजस्व घाटा अनुदान का हिस्सा सबसे बड़ा (लगभग 50 प्रतिशत) रहा।

इसके बाद 26 प्रतिशत पंचायत राज संस्थान अनुदान, 11 प्रतिशत शहरी स्थानीय निकाय अनुदान, 10 प्रतिशत राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष और एक प्रतिशत राज्य आपदा निवारण कोष शामिल थे।

रिपोर्ट में 28 राज्यों की वित्तीय स्थिति का विस्तृत अवलोकन पेश किया गया है। साथ ही 2013-14 से लेकर 10-वर्ष की अवधि के वित्तीय आंकड़ों और विश्लेषण को भी इसमें शामिल किया गया है।

ओडिशा के बलंगा में लड़की की मौत आत्मदाह का मामला : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पुरी जिले में एक नाबालिग लड़की की मौत के मामले का खुलासा करते हुए सोमवार को कहा कि बलंगा की घटना बदमाशों द्वारा किया गया हमला नहीं, बल्कि 'आत्मदाह का मामला' है। उन्होंने कहा कि शुरू में बताया गया था कि यह बदमाशों द्वारा किया गया हमला है।

विधानसभा में बीजू जनता दल (बीजद) विधायक तुषारकांति बेहरा जेना के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में माझी ने कहा कि यह तथ्य गलत थे कि 15-वर्षीय लड़की को 19 जुलाई को अज्ञात व्यक्तियों ने आग लगा दी थी। उन्होंने बताया कि पीड़िता की मां ने बलंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात लोग उसकी बेटी को जबरन नदी के तटबंध पर ले गए और उस पर मिट्टी का तेल तथा पेट्रोल डालकर उसे मारने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि बयान के अनुसार, लड़की किसी तरह बच निकली और पास के एक घर में मदद मांगी। काफी जल चुकी लड़की को स्थानीय ग्रामीणों ने बचाया और पिपिली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर भेज दिया गया। अगले दिन उसे 'एयरलिफ्ट' करके एम्स, नई दिल्ली ले जाया गया, जहां दो अगस्त को उसकी मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा, पीड़िता ने बीएनएसएस की धारा 183 के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना बयान दर्ज कराते समय कहा था कि गुस्से और घृणा के कारण उसने अपने शरीर पर मिट्टी का तेल डाला और खुद को आग लगा ली। उन्होंने सदन को बताया कि जांच वरिष्ठ अधिकारियों की प्रत्यक्ष निगरानी में की गई थी और बाद में इसे गलत तथ्य बताते हुए 'फाइनल रिपोर्ट' के रूप में अदालत में वापस कर दिया गया। सदन को दिए अपने लिखित बयान में मुख्यमंत्री ने बताया कि जून 2024 से अगस्त 2025 तक राज्य में बलंगा मामले सहित महिलाओं और लड़कियों के आत्मदाह के कुल 15 मामले दर्ज किए गए। राज्य में जून 2024 में माझी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनी। उन्होंने बताया कि आत्मदाह की 15 घटनाओं में से चार बालासोर, तीन कटक और दो गंजम जिले में दर्ज की गईं। बाकी घटनाएं खुर्दा, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज, संबलपुर, सुंदरगढ़ और पुरी जिलों में हुईं।

सुविचार

कल को आसान बनाने के लिए आज आपको कड़ी मेहनत करनी ही पड़ेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सरहद पार का सच

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने पाकिस्तान में 'घर जैसा महसूस होने' संबंधी बयान देकर एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारत के कुछ 'बुद्धिजीवियों' में शत्रुबोध का घोर अभाव है। वे आज भी एक ऐसी ख़याली दुनिया में रहते हैं, जहां उन्हें पाकिस्तान घर जैसा लगता है। हमारे देश में कई लोगों का विचार है कि सरहद पार के लोगों के साथ भाषा, खानपान, पहनावे में समानता होने के कारण भविष्य में संबंध सुधर सकते हैं0। अक्सर ऐसे लोग मासूमाना अंदाज़ में यह दलील देते मिल जाते हैं कि 'इन्सान तो एक जैसे ही हैं, बस सरहद बीच में आ गई!' वे भूल जाते हैं कि ऐसा सिर्फ उनका सोचना है। सरहद पार के लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं – इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। वर्ष 1947 में जब भारतविभाजन के परिणामस्वरूप पाकिस्तान बना था, तब यह बात कुछ हद तक सही मानी जा सकती थी, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं0। मौजूदा पाकिस्तान में बहुत बड़ी आबादी उन लोगों की है, जो भारत को दुश्मन मानते हैं0। उन्हें स्कूलों और मदरसों के पाठ्यक्रमों में बार-बार दो क़ौमी नज़रिया पढ़ाया तथा रटाया गया है। यह नज़रिया हिंदुओं के खिलाफ नफरत से भरा हुआ है। यह हर उस चीज से नफरत करना सिखाता है, जिसका संबंध भारतीय संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से है। पाकिस्तान को उक्त नज़रिए से अलग करके देखा और समझा नहीं जा सकता है। हमारे कितने 'बुद्धिजीवियों' को दो क़ौमी नज़रिए के बारे में पता है? जब पाकिस्तान का जिक्र होता है तो वे उसकी बुनियाद को समझे बग़ैर भावुकतापूर्ण बातें करने लग जाते हैं0।

पाकिस्तान हो या बांग्लादेश – इनकी भाषा, खानपान, पहनावे और इमारतों को देखकर यह धारणा बना लेना कि ये 'घर जैसे' हैं, बिल्कुल ही गलत विचार है। बाहर से घर जैसे लगने वाले इन देशों के नागरिकों को हम कैसे लगते हैं? घर को घर बनाते हैं वहां के लोग, उनके विचार, उनके तौर-तरीके। अगर किसी घर के लोग हमें देखते ही काट खाने को दौड़ें, हमारे घर में सेंध लगाएं, नुकसान पहुंचाने के लिए नित-नई साजिशें रचें तो उसके साथ भाषा, खानपान, पहनावे जैसी समानता कोई मायने नहीं रखती। पाकिस्तान में आज जो पीढ़ी जवान हो रही है, उसे हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर का आग़ाज़ किया था तो लाखों पाकिस्तानी इंटरनेट पर 'सिंदूर' के बारे में सर्च कर रहे थे। जो सिंदूर कभी उनकी दादियां, परदादियां लगाया करती थीं, आज वे उससे अनजान हैं! उन्हें रामायण, महाभारत के बारे में कोई ज्ञान नहीं है। कई पाकिस्तानी इतने गहरे अंधकार में डूबे हुए हैं कि उनका दृढ़ विश्वास है- 'मुगलों के आने से पहले भारत में कुछ नहीं था!' अपने इतिहास से पूरी तरह कट चुके इन लोगों के दिलो-दिमाग़ में आईएसआई और कट्टरपंथियों ने जम्मू-कश्मीर के बारे में भ्रामक एवं काल्पनिक बातें बैठा दी हैं0। वे यह मानने को तैयार ही नहीं हैं कि जम्मू-कश्मीर ऋषियों और संतों की भूमि है। हमारे कई 'बुद्धिजीवी' जब किसी मुलाकात या कार्यक्रम में कहते हैं कि वर्ष 1947 में बंटवारे के दौरान बहुत लोगों ने प्राण गंवाए थे और बहुत गलत काम हुए थे, तो वे उस समय उनकी हां में हां मिला देते हैं, लेकिन मन ही मन हंसते भी हैं0। हम बंटवारे को एक त्रासदी मानते हैं, वे इसे अपनी फ़तह मानते हैं0। तो कहां गई समानता और कहां गई मानवता? जो खुद हमसे अलग होकर दूर चले गए, वे चले गए0। अब भूगोल बदल चुका है। सिंधु में बहुत पानी बह चुका है। उस हिस्से को 'घर जैसा' मानने की कल्पनाओं से बाहर निकलें और अपने घर (भारत) को समर्थ, सशक्त एवं सुरक्षित बनाएं0।

ट्वीटर टॉक

'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास पर पौधारोपण किया। आप सभी प्रदेशवासी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपने घर, आंगन, कार्यालय व सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाएं।

-भजनलाल शर्मा

इस बार नवरात्रि का यह शुभ अवसर बहुत विशेष है। जीएसटी बचत उत्सव के साथ-साथ स्वदेशी के मंत्र को इस दौरान एक नई ऊर्जा मिलने वाली है। आइए, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए सामूहिक प्रयासों में जुट जाएं0।

-नरेन्द्र मोदी

पंजाब को बाढ़ की वजह से लगभग 20,000 करोड़ का नुक़सान हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित छ1600 करोड़ का प्रारंभिक राहत पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है। लाखों घर उजड़ गए, 4 लाख एकड़ से ज़्यादा की फ़सल बर्बाद हो गई ।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

प्रभु दृष्टि

रामकृष्ण परमहंस के एक शिष्य थे मथुरा बाबू। एक बार उन्होंने बड़े प्रेम से एक सुंदर मंदिर बनवाया और उसमें भगवान विष्णु की मूर्ति की स्थापना करवाई0। मूर्ति को उन्होंने बहुमूल्य वस्त्रों और आभूषणों से सजाया। एक रात कुछ चोर मंदिर में घुसे और मूर्ति से सारे आभूषण चुरा ले गए0। मथुरा बाबू दुखी होकर दौड़े-दौड़े मंदिर पहुंचे। मूर्ति के सामने खड़े होकर उन्होंने भावुक होकर कहा, 'भगवान! आपके हाथों में गदा और चक्र हैं0। फिर भी आप चोरों को नहीं रोक पाए? आपसे तो हम मनुष्य ही बेहतर हैं, कम से कम विरोध तो करते हैं!' रामकृष्ण परमहंस वहीं खड़े यह सब सुन रहे थे। वे मुस्कुराते हुए बोले, 'मथुरा बाबू, भगवान को तुम्हारी तरह गहनों का लोभ नहीं है, जो दिन-रात जागकर उनकी चौकीदारी करें0। उन्हें किसी चीज की कमी नहीं0। जो खुद सृष्टिकर्ता हैं, वे चंद आभूषणों के लिए अपने चक्र का प्रयोग क्यों करते?'

सामयिक

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत को तलाशने होंगे नए अवसर

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आइटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है। भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं। वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीज़ा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती। अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा।

मंथन

सेहत के लिए वरदान आयुर्वेद को मिली वैश्विक पहचान

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

भारत सरकार ने हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाने का फैसला किया है। इससे पूर्व यह दिवस धनतेरस के दिन मनाया जाता था। आयुर्वेद की वैश्विक पहचान कायम करने के लिए यह निर्णय लिया गया बताया। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद जन जन एवं पृथ्वी के कल्याण के लिए है रखी गई है। इस थीम का उद्देश्य है कि आयुर्वेद सिर्फ मनुष्यों के लिए ही नहीं बल्कि विश्व की वनस्पतियों और प्रकृति के संरक्षण के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरकार की अगले वर्षों में इसे और बड़े स्तर पर मनाने की योजना है ताकि विश्वभर में आयुर्वेद को लेकर जागरूकता बढ़े और इसकी वैज्ञानिक मान्यता मजबूत हो। आयुष मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2024 में आयुर्वेद दिवस पर लगभग 150 देशों में गतिविधियों का आयोजन किया गया जो आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक पहुंच की पुष्टि करता हैं। इस वर्ष यह संख्या और भी अधिक होने की उम्मीद है। इस साल का मुख्य आयोजन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान गोवा में होगा। गोवा, जो पर्यटन और वेलनेस के क्षेत्र में पहले ही एक अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है, अब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का वैश्विक द्वार बन गया है।

आयुर्वेद को हमारे देश में सेहत का खजाना कहा जाता है। आयुर्वेद की जड़ी-बूटी अपने भीतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के कई गुण समेटे हुए है। आज दुनिया में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का डंका बज रहा है। विश्व के सभी देशों में आयुर्वेद पहुंच गया है। आयुर्वेद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के बारे में बात करता है। बारिश के मौसम में बीमारियां भी जल्दी पकड़ लेती हैं। सर्दी-जुकाम, बुखार, स्किन इंफेक्शन, पेट की समस्याएं और इम्युनिटी कमजोर होना आम बात हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी सेहत का खास ध्यान रखें। अगर आप बिना दवा के इन परेशानियों से दूर रहना चाहते हैं, तो आयुर्वेदिक नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं। आयुर्वेद में कुछ ऐसे आसान और असरदार उपाय बताए गए हैं, जो मॉनसून के मौसम में आपकी इम्युनिटी बढ़ाने और बीमारियों से बचाने में काफी कारगर साबित हो सकते हैं।

आयुर्वेद के घरेलू नुस्खे इतने ज्यादा कारगर हैं कि डॉक्टर और मेडिकल साइंस भी उन्हें मानने से मना नहीं करते हैं। हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरारे जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकती है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है। इसी भांति अजवायन, लोंग, काली मिर्च, तुलसी गिलोय, मलेठीयुक्त पान, शहद, दालचीनी आदि के नुस्खे भी संजीवनी साबित हुए है। उल्टा लेटकर ऑक्सीजन प्राप्त करने के नुस्खे को एलोपेथी की मान्यता मिली है। यही नहीं इनमें से ज्यादातर नुस्खों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता।

आयुर्वेद का जन्म लगभग पांच हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था। इस औषधि का वर्णन करने वाले प्राचीन ग्रंथ 1500 ईसा पूर्व के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आयुर्वेद को एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है। आयुर्वेद प्राचीन भारतीय प्राकृतिक और समग्र वैद्य-शास्त्र चिकित्सा पद्धति है। संस्कृत भाषा में आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान। आयुर्वेद के अनुसार व्यक्ति के शरीर में वात, पित्त और कफ जैसे तीनों मूल तत्त्वों के संतुलन से कोई भी बीमारी नहीं हो सकती, परंतु यदि इनका संतुलन बिगड़ता है, तो बीमारी शरीर पर हावी होने लगती है। अंग्रेजी दवाएं रोग से लड़ने के लिए डिजाइन की जाती हैं, वहीं आयुर्वेदिक औषधियां रोग के विरुद्ध शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं ताकि आपका शरीर खुद उस रोग से लड़ सके। आयुर्वेद के अनुसार कोई भी शारीरिक रोग शरीर की मानसिक स्थिति, त्रिदोष या धातुओं का संतुलन बिगड़ने के कारण होती है। आयुर्वेद चिकित्सक मरीज की रोग प्रतिरोध क्षमता, जीवन शक्ति, पाचन शक्ति, दैनिक दिनचर्या, आहार संबंधी आदतों और यहां तक कि उसकी मानसिक स्थिति की जांच करके रोग निदान करते हैं। आयुर्वेद और योग भारत द्वारा पूरे मानव समाज और पृथ्वी को दिया अनमोल उपहार है। आयुर्वेद प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य की पुरातन भारतीय पद्धति है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना होगा। औषधीय पेड़-पौधे लगाने होंगे। जिससे पर्यावरण दूषित होने से तो बचेगा ही, साथ ही आयुर्वेद का प्रसार भी होगा।

नजरिया

संवाद हीनता : परिवार और समाज की चुनौती

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

आज का समय बहुत तेजी से बदल रहा है। तकनीकी प्रगति और व्यस्त जीवनशैली ने हमारे जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही एक गंभीर समस्या भी सामने आई है – संवाद हीनता। संवाद हीनता का अर्थ है बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान की कमी। यह केवल शब्दों की कमी नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जिसमें लोग अपनी भावनाओं, समस्याओं और अनुभवों को साझा नहीं कर पाते। परिवार, मित्रता और समाज सभी पर इसका गहरा असर पड़ता है। परिवार जीवन का वह आधार है जहाँ बच्चे और बड़े अपने अनुभव साझा करते हैं और आपसी समझ विकसित करते हैं। लेकिन आज, व्यस्त जीवन, डिजिटल साधनों का अधिक प्रयोग और पीढ़ियों के अंतर ने पारिवारिक संवादिता को कमजोर कर दिया है। माता-पिता अपने काम और जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त रहते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना मुश्किल हो जाता है। वहीं, बच्चे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल की दुनिया में उलझे रहते हैं। परिणामस्वरूप, घर में बैठकर खुलकर बातचीत करना लगभग कम होता जा रहा है। डिजिटल दुनिया ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी हैं। स्मार्टफोन, टीवी और सोशल मीडिया ने परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे से दूर कर दिया है। युवा सदस्य अधिक समय इन माध्यमों में व्यतीत करते हैं और आमने-सामने संवाद कम हो जाता है। ऐसे संवाद अक्सर सतही हो जाते हैं और भावनाओं की गहराई को व्यक्त नहीं कर पाते। पीढ़ियों का अंतर भी संवाद में बाधा डालता है। बुजुर्ग अनुभव और परंपरा पर भरोसा करते हैं, जबकि युवा आधुनिक दृष्टिकोण और स्वतंत्रता की ओर अधिक झुकाव रखते हैं। यह अंतर कभी-कभी परिवार में गलतफहमी और असहमति को जन्म देता है। छोटे-छोटे झगड़े या आलोचना भी भावनात्मक दूरी बढ़ा देती है और परिवार में मानसिक तनाव उत्पन्न करती है।

संवाद हीनता केवल परिवार तक सीमित नहीं है। समाज में भी लोग अपनी राय, शिकायत या सुझाव साझा नहीं करते। इससे सहयोग और सामूहिक प्रयास कमजोर पड़ते हैं और गलतफहमियाँ बढ़ती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी मोहल्ले में सफाई या सुरक्षा संबंधी समस्या को साझा नहीं किया जाता, तो समाधान कठिन हो जाता है और विवाद पैदा हो सकते हैं। संवाद हीनता के कई कारण हैं। व्यस्त जीवनशैली, डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग, डर या शर्म की भावना, मानसिक तनाव, सामाजिक दूरी और पीढ़ियों के बीच अंतर-ये सभी मिलकर लोगों को खुलकर संवाद करने से रोकते हैं। इसके नकारात्मक प्रभाव व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर दिखाई देते हैं। व्यक्ति में अकेलापन और मानसिक तनाव बढ़ता है, आत्मविश्वास कमजोर पड़ता है। परिवार में विश्वास और समझ की कमी होती है। समाज में सहयोग और सामूहिक प्रयास कम हो जाते हैं।

इस समस्या को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, नियमित संवाद का समय निर्धारित करना जरूरी है। परिवार के साथ भोजन, चाय या वीकेंड पर बातचीत को प्राथमिकता दी जा सकती है। दूसरी महत्वपूर्ण बात है सुनने और समझने की आदत। आलोचना से बचकर, एक-दूसरे की बात ध्यानपूर्वक सुनना और समझना संवादिता को बढ़ाता है। तीसरी बात है साझा गतिविधियों का महत्व। खेल, यात्रा, हॉबीज़ या सामाजिक कार्यों में परिवार और दोस्तों को शामिल करने से संवाद प्राकृतिक रूप से बढ़ता है। डिजिटल उपकरणों का संतुलित उपयोग भी जरूरी है। मोबाइल और टीवी से समय निकालकर आमने-सामने बातचीत को प्राथमिकता देना चाहिए। साथ ही, अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना भी आवश्यक है। डर या शर्म के कारण अपनी भावनाओं को दबाना संवादिता को और कमजोर करता है। बच्चों को भी अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

संक्षेप में, संवादिता जीवन का वह आधार है जो रिश्तों, विश्वास और सहयोग को मजबूत करती है। संवाद हीनता केवल बातचीत की कमी नहीं है, बल्कि परिवार और समाज की संरचना को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है। इसे समय रहते पहचानना और समाधान करना आवश्यक है। खुली बातचीत, सकारात्मक सुनना और साझा गतिविधियाँ न केवल परिवार और समाज को मजबूती देती हैं, बल्कि व्यक्तिगत विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। आज की चुनौती यह है कि हम अपनी व्यस्तता, डिजिटल साधनों और पीढ़ियों के अंतर के बावजूद संवादिता को प्राथमिकता दें। संवादिता ही वह माध्यम है जो हमें एक-दूसरे के करीब लाती है, समझ को गहरा करती है और समाज में सामूहिक सहयोग को बढ़ावा देती है। परिवार और समाज तभी सशक्त रह सकते हैं जब संवादिता मौजूद हो और इसे बढ़ावा दिया जाए। यही हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता और जिम्मेदारी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पाकिस्तान की गोलाबारी के पीड़ितों से मिलकर भावुक हुए नाना पाटेकर, सेना को किया सलाम

राजौरी (जम्मू कश्मीर)/भाषा। वरिष्ठ अभिनेता नाना पाटेकर पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित करने के दौरान सोमवार को भावुक हो गए। अपने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) निर्मला गजानन फाउंडेशन की ओर से पाटेकर ने मई में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई का खामियाजा भुगतने वाले पुंछ और राजौरी जिलों के सीमावर्ती इलाकों के निवासियों से मुलाकात की।

अभिनेता पाटेकर ने फिल्म 'प्रहार' में सेना के मेजर की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं उस 11 वर्षीय लड़की की शिक्षा का खर्च उठा रहे हैं जिसने पुंछ में हुई गोलाबारी में अपने पिता अमरीक सिंह को खो दिया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सात से 10 मई के बीच अपने परिवार के किसी सदस्य को खो चुके या फिर अपने घर पर किसी तरह का नुकसान झेल चुके 117 परिवारों को नाना पाटेकर ने 42 लाख रुपए की सहायता राशि वितरित की

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा हमला कर 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी और मारे गए अधिकतर लोग पर्यटक थे।

इसके बाद भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

इस दौरान नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई जवाबी गोलाबारी, मिसाइल हमलों और ड्रोन हमलों में कम से कम 28 लोग मारे गए।

पाटेकर ने कहा, यह उन परिवारों के लिए एक छोटा सा योगदान है जो हमारे अपने हैं और केवल इसलिए कष्ट झेल रहे हैं क्योंकि वे सीमाओं पर रह रहे हैं। हम उन्हें संदेश देना चाहते हैं कि वे अकेले नहीं हैं।

पाटेकर के साथ 25वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी और राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा भी मौजूद थे।

अभिनेता ने फिल्म उद्योग से अमिताभ बच्चन और जॉनी लीवर का भी नाम लिया जो परोपकारी कार्यों में योगदान देते हैं।

पाटेकर ने कहा कि हालांकि वह पहली बार राजौरी आए हैं लेकिन उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अपना योगदान दिया था और जम्मू कश्मीर के विभिन्न भागों में भी गए थे।

पद्मश्री पुरस्कार विजेता पाटेकर (74) ने कहा कि उनके एनजीओ ने शिक्षा मानकों और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 48 सेना सद्भावना स्कूलों को गोद लिया है जिनमें से 28 कश्मीर में, सात लद्दाख में और बाकी जम्मू में हैं।

जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग की खराब स्थिति के बारे में उन्होंने कहा, मैं सीमावर्ती निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए इसके तत्काल रखरखाव के लिए दिल्ली में संबंधित विभागों के समक्ष यह मुद्दा उठाऊंगा।

महिला क्रिकेटरों के अनूठे टैटू : किसी ने हनुमान, किसी ने बंगाल टाइगर तो किसी ने बनवाया बाज

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले सप्ताह आखिरी वनडे मैच में 72 रन बनाने वाली भारत की अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा ने बताया कि विपरीत परिस्थतियों में बायें हाथ पर बने हनुमानजी के टैटू से उन्हें ताकत और प्रेरणा मिलती है। दीप्ति ने कहा, मैने अपने बायें हाथ पर हनुमानजी का टैटू बनवा रखा है। जब भी जीवन में उतार चढाव आते हैं तो वह मुझे शक्ति देते हैं।

भारत के लिए 80 वनडे में 1891 रन बनाने के साथ 91 विकेट ले चुकी दीप्ति ने जियो हाटस्टार के 'आफ द पिच' कार्यक्रम में कहा, ''मैचों में भी जब मुझे समझ में नहीं आता कि क्या करूं तो उनके बारे में सोचती हूं। इससे मुझे शक्ति और आगे के बारे में सकारात्मक सोच मिलती है।

दीप्ति के 72 रन के बावजूद भारतीय टीम 413 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे वनडे में 43 रन से हार गई और शृंखला 1 .2 से गंवा दी।

अब भारत और श्रीलंका में होने वाले विश्व कप के पहले मैच में भारत को 30 सितंबर को गुवाहाटी में श्रीलंका से खेलना है।

वहीं स्पिनर स्नेह राणा ने भी दो टैटू बना रखे हैं जिनमें से पहले पर 'विरोधी' और दूसरे पर ' तव धैर्यं तव बलम अस्ति' लिखा है।

इस बारे में उन्होंने कहा, हाल ही में मैने एक टैटू बनवाया है जिस पर विरोधी लिखा है जिसके मायने हैं किसी मकसद से बागी। अगर हालात मेरे खिलाफ हैं तो मैं उनसे पार पाना चाहती हूं।

भारत के लिए 22 वनडे और 22 टी20 खेल चुकी 31 वर्ष की इस खिलाड़ी ने कहा, इसके अलावा एक और टैटू पर तव धैर्यं तव बलम अस्ति' लिखा है जो संयम रखने में मदद करता है। मैने पिंडली पर शेर और बाज का टैटू भी बनवाया है। शेर साहस, नेतृत्व और स्वतंत्रता के लिए जबकि बाज अपने तेज गेंदबाज और चौकस नजर के लिए।

सोलह बरस की उम्र में 2020 में भारत की विश्व कप टीम में जगह बनाने वाली हरफनमौला रिचा घोष ने बायें हाथ पर बाघ (बंगाल टाइगर) का टैटू बनाया है।

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की रहने वाली घोष ने कहा, यह खास है क्योंकि बंगाल टाइगर है और मैं भी बंगाल से हूं। उन्होंने कहा, भारत के लिए खेलने से पहले बंगाल की अपनी एक सीनियर प्रतिभा राणा के साथ यात्रा करते समय उन्होंने मेरे हाथ पर बाघ का स्कैच बनाया। मैने अपने परिवार से कहा कि अगर भारतीय टीम में मेरा चयन हो गया तो मैं स्थायी टैटू बना लूंगी।

रामलीला विवाद में पूनम पांडे का बयान, वीडियो मैसेज में बोलीं 'जय श्री राम'

मुंबई/एजेन्सी

दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित होने वाली लव कुश रामलीला के कलाकारों में पूनम पांडे को शामिल करने का विरोध हो रहा है। हालांकि, कमेटी विरोध को दरकिनार करते हुए अपने फैसले पर अड़ी है। इस वीडियो क्लिप में पूनम पांडे कहती हैं, दिल्ली के लाल किला में विश्व प्रसिद्ध लव-कुश रामलीला में मुझे मंदोदरी की भूमिका निभाने का अवसर मिला है। मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं, बहुत खुश हूं0। मंदोदरी एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है, और वह रावण की पत्नी थीं0। मैं इस खूबसूरत किरदार को निभाने के लिए उत्सुक हूं0। इस रोल के लिए उन्होंने एक संकल्प भी लिया है। इसके बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, नवरात्रि है। मैंने यह भी तय किया है कि मैं नौ दिनों तक उपवास रखूंगी ताकि मेरा तन और मन अधिक शुद्ध रहे और मैं इस खूबसूरत किरदार को बखूबी निभा सकूं0। जय श्री राम।

बता दें कि पिछले सप्ताह की शुरुआत में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने रामलीला में पूनम पांडे को लिए जाने पर आपत्ति जताई थी। वहीं, रविवार को रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने भी स्पष्ट कर दिया था कि पूनम पांडे ही मंदोदरी का किरदार निभाएंगी।

अर्जुन कुमार ने कहा था, स्वाभाविक है कि सभी लोग एक जैसी सोच नहीं रख सकते। कुछ लोग पूनम पांडे के चयन का विरोध कर रहे हैं, जबकि कुछ समर्थन में हैं0। हर किसी की अपनी सोच हो सकती है। हमारा मानना है कि भले ही किसी ने अतीत में बोल्ड दृश्य दिए हों, लेकिन जब वह प्रभु राम के इस मर्यादित मंच पर मंदोदरी जैसे पवित्र किरदार में आएंगी, जो रावण को अच्छाई का रास्ता दिखाने की कोशिश करती हैं, तो निश्चित रूप से इससे उनके मन और विचारों में सकारात्मक बदलाव आएगा। हमारा मानना है कि पूनम पांडे का यह किरदार उनके जीवन को धार्मिक और मर्यादित दिशा में ले जाएगा। लव कुश रामलीला 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। इस बार रावण का किरदार बॉलीवुड अभिनेता आर्य बब्बर निभा रहे हैं0। राम की भूमिका में किंशुक वैद्य, सीता की भूमिका में रिनी आर्य, और परशुराम की भूमिका में भाजपा सांसद मनोज तिवारी दिखाई देंगे।

बैठक

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी सोमवार को वायनाड कलेक्ट्रेट में दिशा समिति की बैठक में भाग लेती हुईं0।

जैकलीन फर्नांडिस को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को 200 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सुकेश चंद्रशेखर मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। अभिनेत्री ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी ओर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी गई थी। जैकलीन की ओर से दलील दी गई थी कि उनके खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं, वे पूरी तरह झूठे हैं0। उन्होंने कहा कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्हें पता था कि जो महंगे तोहफे उन्होंने सुकेश से लिए, वे अवैध रूप से कमाई गई रकम से खरीदे गए थे। हालांकि, कोर्ट ने इस वक्त इस मामले में कोई हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने कहा कि यह आरोप है कि आपको 200 करोड़ रुपए के उपहार मिले, लेकिन कानून की प्रकृति ऐसी है कि कई बार यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि जब दो लोग आपस में करीबी होते हैं और उनमें से एक व्यक्ति किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होता है, तो दूसरे की भूमिका क्या रही; इसे अलग करना आसान नहीं होता। ऐसे मामलों में ट्रायल कोर्ट ही सही मंच होता है, जहां तथ्यों की गहराई से जांच की जा सकती है।

इस पूरे मामले पर जैकलीन फर्नांडिस के वकील प्रशांत पाटिल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हमारा जो मामला है, वह ट्रायल कोर्ट में चार्ज तय करने की बहस के स्तर पर है। हमारा सुप्रीम कोर्ट आने का उद्देश्य है कि हम चाहते हैं कि ट्रायल कोर्ट हमारे मामले को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से सुने। इसी कारण हमने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि हाईकोर्ट की टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाया जाए0। प्रशांत पाटिल ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में यह आदेश दिया है कि ट्रायल कोर्ट स्वतंत्र रूप से चार्ज पर बहस सुने और हाईकोर्ट की टिप्पणियां उसमें कोई बाधा न

सिद्धांत चतुर्वेदी बने लद्दाख फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन समारोह के गेस्ट ऑफ ऑनर

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने लद्दाख फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन समारोह में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की। इस मौके पर माननीय मुख्य कार्यकारी पार्षद ताशी ग्याल्सन भी मौजूद रहे। पर्यटन एवं संस्कृति सचिव श्री संजीत रोड्रिग्स ने सिद्धांत चतुर्वेदी को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के सम्मानस्वरूप फेस्टिवल मोमेंटो भेंट किया। पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित यह लद्दाख फेस्टिवल 24 सितंबर तक जारी रहेगा, जिसमें क्षेत्र की जीवंत संस्कृति, परंपराओं और व्यंजनों का उत्सव मनाया जाएगा। सिद्धांत चतुर्वेदी की मौजूदगी ने इस आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ दिया और भारतीय सिनेमा व सांस्कृतिक पर्यटन के बीच गहराते संबंधों को भी उजागर किया। दर्शक और प्रशंसक इस भव्य शुरुआत के यादगार पलों के गवाह बने। सिद्धांत ने समारोह में संबोधन करते हुए लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। 'गली बॉय', 'गहराइयां' और 'धड़क 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से पहचान बना चुके सिद्धांत आज बॉलीवुड के सबसे उभरते सितारों में गिने जाते हैं0। उनके उत्साह और प्रशंसकों से जुड़ाव ने समारोह में चार चांद लगा दिए और उद्घाटन दिवस को और भी खास बना दिया।

फिल्म 'गॉड फादर' दशहरा के अवसर पर रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की फिल्म गॉडफादर दशहरा के अवसर पर रिलीज होगी। दशहरा के शुभ अवसर पर, खेसारी लाल यादव अपनी नई फिल्म गॉडफादर लेकर आ रहे हैं0। फिल्म गॉडफादर एक्शन से भरपूर कहानी है जिसमें खेसारी लाल यादव एक मजबूत और न्यायप्रिय व्यक्ति की भूमिका में हैं0। फिल्म का निर्देशन पराग पाटील ने किया है और इसका निर्माण टेकनीशियन फिल्म फैक्ट्री ने किया है। फिल्म गॉडफादर में खेसारी लाल यादव के साथ यामिनी सिंह ,संजय पांडे , विनोद मिश्रा और अन्य कलाकारों ने भी अहम भूमिका निभायी है।फिल्म का छायांकन आर. आर. प्रिंस ने किया है और लेखक प्राणनाथ हैं0।

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कंतारा: चैप्टर 1' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर को शेयर करते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कांतारा: चैप्टर 1, उस भूमि और उन लोगों के प्रति हमारी श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस यात्रा को संभव बनाया। इस बार फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता गुलशन देवैया राजा कुलशेखर की भूमिका में दिखाई देंगे। वह खलनायक के रूप में नजर आएंगे। ट्रेलर में दिखाया गया है कि राजा कांतारा के लोगों पर जमकर अत्याचार हो रहा है।

उससे रक्षा के लिए भगवान का अवतार बनकर बेमरे अपने लोगों की रक्षा करते दिख रहे हैं0। ट्रेलर के बैकग्राउंड में सिंगर दिलजीत दोसांझ की दमदार आवाज ने जान डाल दी है। इन सबके बीच ऋषभ शेट्टी और अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत के बीच एक लव स्टोरी पनपती भी दिखाई देती है।

कुल मिलाकर ट्रेलर काफी दमदार है और लोगों पर पुरानी कांतारा वाली छाप छोड़ता दिखाई दे रहा है। यह फिल्म ऋषभ शेट्टी की 2022 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल है। फिल्म की स्क्रिप्ट ऋषभ शेट्टी ने लिखी है और उसे निर्देशित भी किया है, जबकि विजय किरगंडुर फिल्म के निर्माता हैं0।

फिल्म में जयराम, राकेश पुजारी और रुक्मिणी वसंत जैसे सितारे भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। 'कांतारा: चैप्टर 1' को होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ हैं0। यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनियाभर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी।

अक्षय-अरशद की 'जॉली एलएलबी 3' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

मुंबई/एजेन्सी

'जॉली एलएलबी 3' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म के पहले दो पार्ट ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई, ऐसे में फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट उस उम्मीद पर पूरी तरह से खरा उतरने की कोशिश कर रहा है। रिलीज से पहले ही फिल्म के एडवांस टिकट की बिक्री खूब देखने को मिली। सैकनिल्क के मुताबिक, 'जॉली एलएलबी 3' ने ओपनिंग डे पर ही शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.50 करोड़ रुपए की कमाई की, जिसके चलते यह इस साल की अक्षय कुमार की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले उनकी 'हाउसफुल 5' ने 23 करोड़ की ओपनिंग की थी। दूसरे दिन शनिवार को फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। शनिवार को फिल्म ने 20 करोड़ की कमाई की, जिससे इसका दो दिन का कुल कलेक्शन 32.75 करोड़ रुपए हो गया है।

'जॉली एलएलबी 3' की कहानी एक गंभीर सामाजिक मुद्दे को सामने लाती है, जिसमें एक भ्रष्ट कारोबारी गरीब किसानों की जमीन हड़पने की कोशिश करता है। अक्षय कुमार का किरदार इस केस में शुरुआत में गलत पक्ष में खड़ा होता है, और वहीं से कहानी में मोड़ आता है। कोर्ट रूम में उसका सामना अरशद वारसी से होता है, जो फिल्म में अपने पुराने 'जॉली' अवतार में लौटे हैं0। दोनों के बीच बहसें, नैतिक सवाल, और जोरदार एक्टिंग ही इस फिल्म को दिलचस्प बनाती है। फिल्म का निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है, जो इस सीरीज के पहले दो पार्ट भी बना चुके हैं0। उन्होंने इस बार भी अपनी स्क्रिप्ट और निर्देशन से दर्शकों को बांधकर रखा है। इसके साथ ही, फिल्म में हुमा कुरैशी, अमृता राव, सौरभ शुक्ला, गजराज राव, सीमा बिस्वास, राम कपूर और बृजेन्द्र कला जैसे कलाकारों की मौजूदगी ने कहानी को और मजबूत बना दिया है। गजराज राव ने भ्रष्ट कारोबारी के रोल में जबरदस्त छाप छोड़ी है, जबकि सौरभ शुक्ला एक बार फिर न्यायाधीश के किरदार में लोगों के दिलों में छाप छोड़ गए0।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड': अभिनेता रणबीर कपूर के खिलाफ दर्ज होगा केस

मुंबई/एजेन्सी

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की वेब सीरीज 'बैड0स ऑफ बॉलीवुड' कानूनी विवाद में फंसती दिखाई दे रही है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मुंबई पुलिस से अभिनेता रणबीर कपूर, वेब सीरीज के निर्माताओं और नेटफ्लिक्स के खिलाफ केस दर्ज करने की सिफारिश की है। दरअसल, 'बैड0स ऑफ बॉलीवुड' के एक सीन में रणबीर कपूर ई-सिगरेट पीते दिखाई दे रहे हैं0। इस सीन में करण जौहर भी दिखाई दे रहे हैं0। इस सीन में किसी तरह की लिखित चेतावनी भी नहीं दिखाई गई है। इस सीन की शिकायत करते हुए एक शख्स विनय जोशी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को एक पत्र लिखा। उन्होंने कहा है कि यह युवा पीढ़ी को गलत तरीके से प्रभावित कर सकती है। याचिकाकर्ता के अनुसार, इस तरह का चित्रण युवा दर्शकों को गुमराह कर सकता है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिबंधित उत्पादों के सेवन को बढ़ावा दे सकता है, जिससे भारत में तंबाकू नियंत्रण मानदंडों का उल्लंघन होता है।

मामले का संज्ञान लेते हुए मानवाधिकार आयोग ने मुंबई पुलिस को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के उल्लंघन का मामला दर्ज करने की सिफारिश की है। आयोग ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव को उचित कार्रवाई करने और ऐसी सामग्री पर तुरंत रोक लगाने का नोटिस जारी किया है जो युवा पीढ़ी को गलत तरीके से प्रभावित कर सकती है। वहीं मुंबई के पुलिस आयुक्त को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के निर्माताओं और आयातकों की पहचान की जांच शुरू करने के लिए कहा गया है। आयोग ने मुंबई पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। आर्यन खान ने इस सीरीज को डायरेक्ट किया है।

'बैड0स ऑफ बॉलीवुड' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस सीरीज में रणबीर कपूर का कैमियो रोल है। इस सीरीज में बॉलीवुड की दुनिया दिखाई गई है। इसमें फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया का सच लोगों के सामने लाने की कोशिश की गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 23-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

'एकल' का पांच दिवसीय प्रशिक्षिण शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में एकल अभियान कार्यकर्ताओं के लिए वार्षिक क्षमता विकास वर्ग का पांच दिवसीय प्रशिक्षिण शिवर उलुंदुरपेट के शारदा आश्रम में हुआ। इस शिविर में कुल 85 सेवाविरति कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। जिनमें 78 महिलाएं और 7 पुरुष शामिल थे। इस वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं की क्षमता को बढ़ाना और संगठनात्मक कार्यों में गहराई से प्रशिक्षण देना था। यह उल्लेखनीय है कि शिविर में भाग लेने वाले अधिकांश कार्यकर्ता नए थे और उनकी सेवा अवधि एक से दो वर्ष की थी। यह नई ऊर्जा और समर्पण संगठन के भविष्य की सुदृढ़ नींव का परिचायक है। शिविर में परिवार सहायता योजना के बारे में जानकारी दी गई ताकि सभी कार्यकर्ता आत्मविश्वास के साथ संगठन और समाज सेवा में निष्ठा से जुड़ सकें।

कार्यकर्ताओं को यह प्रेरणा भी दी गई कि बच्चों द्वारा भेजे गए चित्र और चिट्ठियां केवल कार्यालयों में ही नहीं बल्कि घरों और दानदाताओं के स्थानों पर भी प्रदर्शित की जाएं। इससे समाज में संगठन की कार्यशैली और बच्चों की रचनात्मकता का प्रभावशाली संदेश प्रसारित होगा। शिविर में माधवन, कार्तिकेयन, उपाध्यक्ष गिरी बागड़ी, फील्ड कोऑर्डिनेटर विनोद ओ. जैन, संयुक्त सचिव गोपीलचन्द सियाल, कमेटी सदस्य रामावतार रुंगटा, राष्ट्रीय महिला समिति की कार्यकारी अध्यक्ष विमला दमानी, दक्षिण जोन की चेयरपर्सन लता मालपानी, वन बंध परिषद महिला समिति की अध्यक्ष दीपाली मोहता, राष्ट्रीय महिला समिति के दक्षिण जोन की सचिव शालिनी मित्तल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं को भगवान की मूर्तियां भेंट देकर सम्मानित किया गया। चेन्नई चैप्टर के अंतर्गत करीब 1000 विद्यालय संचालित हो रहे हैं। यह एकल अभियान की शिक्षा और संस्कार प्रसार यात्रा का सशक्त प्रमाण है।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में माहेश्वरी महिला मंडल ने पितृपक्ष में 16 दिन अमृत आहार वितरण का एक विशाल आयोजन किया। मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी ने बताया, मंडल ने चेन्नई में पुरुषवाक्कम, अन्नापिल्लई, साहुकारपेट, अन्नानगर, टोंडियारपेट, वेपेरी, कोयम्बेडु, उत्तरी शहर, पट्टालम, पाडी, मदावरम, गोदाम स्ट्रीट, मिंट स्ट्रीट इलाकों में पितृपक्ष के 16 दिनों में लगभग साढ़े चार हजार लोगों को अमृत आहार का वितरण हुआ। मंडल की सचिव कुसुम मालापनी के कहा कि सभी के सहयोग से और कार्यक्रम संयोजिका शोभा सिक्ची एवं पायल गोयदानी के परिश्रम से यह कार्य सम्पन्न हुआ।

महाराजा अग्रसेन की जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल सभा चेन्नई द्वारा साहूकारपेट स्थित पूर्णीदेवी गोयंका अग्रवाल सभा भवन में महाराजा अग्रसेन की 5149वी जयंती मनाई गई। उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को सुबह सभा भवन में गणमान्य अग्रबंधुओं की उपस्थिति में पूज्य महाराज अग्रसेन की जयंती पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास से मनाई गई। इस कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीताराम गोयल ने सपत्नीक उपस्थित होकर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा एवं हवन में भाग लिया। तत्पश्चात महाराजा अग्रसेन की आरती की गई एवं प्रसाद वितरण किया गया।

इस मौके पर अग्रवाल सभा के वर्तमान अध्यक्ष विजय गोयल, पूर्व अध्यक्ष इंद्रराज बंसल, अशोक केडिया, गोविंद प्रसाद अग्रवाल, किशनलाल मोदी, राम अवतार रुंगटा, अरुण सुल्तानिया, जितेंद्र खेमका सहित अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता खेमका महामंत्री मंजू जलान सहित अनेक अग्रबंधु सपरिवार उपस्थित रहे।

नारी का सम्मान है महापुरुषों के सम्मान के समान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश ने नवरात्रि के प्रथम दिवस संबोधित करते कहा कि शरीर की बाहरी भौतिक रचना के आधार पर महिला अथवा पुरुष कम अथवा ज्यादा शक्ति और बुद्धि का मूल्यांकन करना, सरासर अन्याय है। संपूर्ण मातृ शक्ति का सरासर अपमान है। यदि महिला अपने आप को अबला मानती है अथवा कोई उसको अबला के नाम से पुकारता है तो दोनों ही अज्ञान के रोग से ग्रसित है। उन्होंने कहा कि पुरुष प्रधान मानसिकता महिला को दूसरे नंबर का दर्जा देकर भयंकर अपराध किया है। महिला और पुरुष के नजरिए में भेदभाव लाना लक्ष्मी सरस्वती और दुर्गा का अपमान करने के समान है।

मुनि कमलेश ने कहा कि महापुरुषों ने आत्म प्रधान मानसिकता को महत्व ने स्वीकार किया। धर्म देश और समाज के लिए जितने ऊर्जावान क्रांतिकारी युग पुरुष हुए हैं, उन सब के निर्माण में महिला शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। महिला जितनी ऊर्जावान और संस्कारित और चरित्रवान होगी उतना ही पुरुष के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण हो सकता है। जब तक महिला को प्राथमिकता देकर उसके विकास को ध्यान में नहीं रखा जाएगा तो उज्ज्वल भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जैन संत ने कहा कि जिस घर में नारी का सम्मान होता है उसे घर में देव शक्तियों का निवास होता है। नारी का सम्मान है महापुरुषों का सम्मान करने के समान है। तीर्थंकर के जन्म पर उनके समक्ष उनसे पहले इंद्र देवता उनकी मां को नमन करते हैं। मातृ देवो भव को जो आत्मसात नहीं करता तो वह धार्मिक नहीं हो सकता। चेन्नई के जैन इतिहास में पहली बार जैन पद्धति से नवरात्रि का आयोजन तपस्या और साधना और मंत्र जाप रूप में 9 दिन तक मनाया जाएगा भारी संख्या में भक्तों ने इसमें भाग लिया। अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली महिला शाखा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कमला सञ्जन राज मेहता ने महिला प्रशिक्षण के द्वारा प्रतिभा विकसित करने का संकल्प लिया।

सत्य है की कोई किसी के कर्म को बाँटता नहीं : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सानिध्य में सोमवार से पुच्छिसुणम वीर स्तुति का शुभारंभ हुआ। मुनिश्री ने अपने प्रवचन में धर्म और संसार के फर्क को आसान शब्दों में समझाया।

उन्होंने कहा कि हम सब अक्सर संसार की बात मानते हैं और उसे खुश रखने की कोशिश करते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि संसार कभी खुश नहीं होता। चाहे कितना भी कर लो, संसार एहसान मानने वाला नहीं है। उसका स्वभाव ही स्वार्थी है। लोग हमेशा यही कहते हैं – तुम मेरे लिए समय नहीं निकालते, तुमने मेरे लिए किया ही क्या है।

मुनिश्री ने कहा कि हमें देखना चाहिए कि हम किसकी बात सुनते हैं। धर्म की या संसार की? ज़्यादातर लोग संसार की बातें मानते हैं और धर्म की बातों को भूल जाते हैं। यही कारण है कि जीवन में परेशानियाँ आती हैं। संसार हमेशा स्वार्थी रहा है और रहेगा। जब तक हम किसी का फायदा करते हैं, तब तक हम उसके लिए अच्छे हैं। लेकिन जैसे ही हम उसका फायदा करना बंद कर देते हैं, वही हमें भूल जाता है। इसलिए जीना भले ही संसार के साथ है, पर सुनना और मानना धर्म की बातों को चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि संसार सिर्फ अपना फायदा देखता है। अगर कोई झूठ बोले और उससे किसी का काम बने तो संसार कभी उसे रोकेगा नहीं। बल्कि कहेगा और झूठ बोलो, और चोरी करो। लेकिन धर्म ही है जो रोकता है और कहता है, झूठ मत बोलो, चोरी मत करो, गलत काम मत करो। धर्म दान करने पर ज़ोर नहीं देता, पर सही आचरण पर हमेशा ज़ोर देता है। सोमवार से नवरात्री के उपलक्ष्य में जाप का भी आयोजन हुआ।

आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का सेतु है लोगस्स जाप : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य में लोगस्स जप साधना का आयोजन किया गया। इस मौके पर कपिल मुनि जी म.सा.ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि नवरात्रि के पवित्र दिन शक्ति उपासना का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस दुनियां में चहुंओर शक्ति का बोलबाला है। संसार में शक्ति की पूजा होती है व्यक्ति की नहीं। शक्तिहीन व्यक्ति जीवन के संघर्षों में मिट जाता है। इसलिए व्यक्ति को शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए शक्तिशाली बनने की दिशा में पराक्रम करना चाहिए। सिर्फ धन ही शक्ति का रूप नहीं है। मनोबल, आत्म बल भी एक ऐसी शक्ति है जिसके अभाव में अन्य बल अर्थहीन हो जाते हैं। लोगस्स के द्वारा तीर्थंकर भगवंतों की स्तुति उत्कीर्तन आत्म विश्वास के बल को बढ़ाता है। आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का एक सेतु है लोगस्स जप। लोगस्स के लयबद्ध जाप से शक्ति केंद्रों का जागरण होता है। अन्तर्मन की शुद्धि और कर्मों के बंधन शिथिल पड़ने लगते हैं। नवकार मंत्र, भक्तामर स्तोत्र, लोगस्स के सामुहिक जप साधना से वातावरण की पवित्रता के साथ भावों में भी उत्कृष्टता का संचार होता है।

तीर्थंकर भगवंतों का सामुहिक स्तवन व वीतरागता का चिंतन मनन साधक को वीतराग बना देता है। उनकी स्तुति से आत्मिक शक्तियों का भान होता है। आराधना के द्वारा आराध्य के प्रति अन्तःकरण में शुभ भाव पैदा होता है प्रभो आपके अंदर जो अनंत ज्ञान, दर्शन, शक्ति और सुख है वह जीवन में भी उत्पन्न हो। आपका गुण वैभव मेरे जीवन के लक्षण बनें। जो पाप को गलाए सुख को लाए वह मंगल होता है। जिसके आचरण से जीवन के दुःख, संताप का निवारण हो, जीवन का उत्थान कल्याण हो ,दुःख के कारण भूत कर्मों का विनाश हो उसे मंगल कहते हैं। अहिंसा, संयम और तप रूप धर्म ही उत्कृष्ट मंगल है। तीर्थंकरों की शरण ही सच्ची शरण है जिसमें जीवन की तमाम समस्याओं के निवारण की अपार क्षमता है। जो स्वयं मंगल होता है वही दूसरों का मंगल और कल्याण कर सकता है। पंच परमेष्ठी व महान आत्माओं के स्मरण से कर्म निर्जरा के लाभ के साथ समता भाव, विघ्न निवारण, भय से मुक्ति और चित्त की निर्मलता का लाभ भी प्राप्त होता है।

अध्यक्ष अमर चंद छाजेड़ ने बताया कि मंगलवार व बुधवार को प्रवचन के दौरान मंगलकारी लोगस्स जाप कार्यक्रम भी होगा। धर्मसभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

आत्मा का असली रूप है चेतना : पंन्यास विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा.ने सोमवार को 'समकित के 67 बोल' ग्रंथ के आधार पर सम्यक्त्व को स्थिर रखने वाले छः स्थानों में से पहले स्थान के गूढ़ रहस्यों का विशद विवेचन किया। उन्होंने कहा कि जहां आत्मा में सम्यक्त्व स्थिर हो जाए, वही स्थानक कहलाता है। पहला स्थानक है आत्म चेतना लक्षण। आत्मा का विलक्षण गुण चेतना है और उसका वास्तविक लक्षण है ज्ञानवान और संपूर्ण गुणों से युक्त होना। गुरुदेव ने उदाहरण देते हुए समझाया कि हवा हर जगह है, पर महसूस पंखे से होती है। बुद्धिमत्ता भी देखी नहीं जा सकती, केवल अनुभव की जाती है। उसी तरह आत्मा अरूपी है, दिखाई नहीं देती, पर अनुभव की जा सकती है।

उन्होंने कहा, जिस प्रकार दूध-पानी अलग नहीं किए जा सकते, वैसे ही आत्मा और शरीर का संबंध है। परंतु विवेक से आत्मा का अनुभव अलग हो सकता है, जैसे हंस खीर से दूध और पानी अलग कर देता है। पंन्यास प्रवर ने बताया कि आत्मा स्वचेतन है और विभाव से परे स्वभाव में स्थित है। नवतत्त्व में आत्मा के गुण बताए गए हैं, ज्ञान, दर्शन,चारित्र, तप, वीर्य और उपयोग। शुद्ध जीवन का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा को भावित करने के लिए शुद्ध जीवन जियो और सदैव तत्पर रहो। श्रावक को द्रव्य स्नान के साथ भाव स्नान का महत्व समझना चाहिए। साधु का शरीर भले मैल से आच्छादित हो, वही उसका आभूषण और ब्रह्मचर्य की शोभा है। साधु आचार के बारे में गुरुदेव ने स्पष्ट किया कि सबसे पहले जीवन में सम्यक्त्व को दृढ़ बनाना चाहिए।लालच की भक्ति, कर्मबंध का कारण है। साधु जीवन में आहार संज्ञा का पालन अति महत्वपूर्ण है। फलाहार साधु के लिए निषिद्ध है, क्योंकि यह जल-बाहुल्य और सुपाच्य होता है।

राजस्थानी संघ की साधारण सभा में अहम मसलों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। राजस्थानी संघ की 53 वीं साधारण सभा आर एस पुरम स्थित राजस्थानी संघ के हाल में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। सभा में पधारे सभी सदस्यों का स्वागत संघ के अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल के द्वारा किया। वर्ष 2024-2025 की वार्षिक रिपोर्ट सचिव विकास नाकोड़ा ने पेश की। 2024-2025 का वार्षिक लेखा जोखा और वित्त रिपोर्ट को कोषाध्यक्ष विक्रम सालेचा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से कुछ अहम मसलों पर विचार विमर्श हुआ उन सभी विचारों को सभा की सर्व सहमति से पारित किया गया। इस सभा में संघ के 6 पूर्व अध्यक्ष, संघ के सह सचिव प्रकाश माली, सह कोषाध्यक्ष अशोक राजपुरोहित और कार्यकारणी सदस्य, संघ के ऑडिटर संजय शाह, इंटरनल ऑडिटर विशाल जैन तथा संघ के कानूनी सलाहकार पूनम पारेख, मोतीलाल राठौड़, चुनाव अध्यक्ष रमेश सुतालिया, सहचुनाव अध्यक्ष मदन माली एवं मीडिया कमिटी चेयरमैन किशोर जैन और अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

प्रिंसेस श्राइन सभागार में कलश स्थापना के साथ प्रारंभ हुई दुर्गा पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति व राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में 47वां दशहरा महोत्सव सोमवार को कलश स्थापना के साथ प्रारंभ हुआ0। सुबह साढ़े ग्यारह बजे बनारस से आए आचार्य नित्यानंद शास्त्री, आचार्य अखिलेश द्विवेदी एवं आचार्य हेमंत गौतम ने समिति के पूजा अध्यक्ष मुकेश कर्ण एवं उनकी पत्नी को पूजा का संकल्प विधि-विधान से दिलाया तथा घट स्थापना करवाई0। इस अवसर पर समिति के सचिव सुबोध सिंह, उपाध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व सचिव जेपी सिंह, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे सहित अन्य अनेक आदि भक्तों ने मां भगवती की पूजा में श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.